घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 36- शनिवार 06- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

भारत-रूस की दोस्ती ध्रुव तारे की तरह अटल हमारे संबंध हर कसौटी पर खरे उतरे : पीएम मोदी

बिना रोक-टोक के तेल सप्लाई करेंगे,भारत-रूस में 96% पेमेंट अपनी करेंसी में : पुतिन

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। पीएम मोदी ने भारत और रूस के बीच दोस्ती को ध्रुव तारे की तरह स्थिर बताया है। उन्होंने कहा,'पिछले 8 दशकों में दुनिया ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मानवता को कई तरह की चुनौतियों और संकटों से गुजरना पड़ा है। लेकिन इन सबके बीच भारत-रूस की दोस्ती ध्रुव तारे की तरह हमेशा अटल और स्थिर बनी रही है।' मोदी ने कहा कि दोनों देशों के संबंध हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। पीएम ने कहा कि दोनों देशों ने 2030 तक आर्थिक सहयोग की रणनीति बनाई है। वहीं, रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस,भारत को बिना रोक-टोक के तेल की सप्लाई जारी रखेगा। भारत दौरे पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आज सुबह राष्ट्रपति भवन में 21 तोपों की सलामी से स्वागत हुआ। इसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। फिर पुतिन ने राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। भारत दौरे पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी ने करीब 24 घंटे में 3 बार मुलाकात की है। दोनों नेताओं ने साथ में प्राइवेट डिनर, द्विपक्षीय बातचीत, जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस और इंडिया-रूस बिजनेस फोरम की बैठक को संबोधित किया।

रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का मुफ्त वीजा : मोदी

पीएम मोदी ने कहा,'दोनों देशों के बीच स्नेह और आत्म-सम्मान का भाव रहा है। हाल ही में रूस में भारत के दो नए वाणिज्य दूतावास खोले गए हैं। इससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच संपर्क और सुगम और आपस में नजदीकियां बढ़ेंगी। शीघ्र ही हम रूसी नागरिकों के लिए नि:शुल्क 30 दिन का टूरिस्ट वीजा और 30 दिन के ग्रुप टूरिस्ट वीजा की शुरुआत करने जा रहे हैं। हम मिलकर वोकेशनल एजुकेशन, स्किलिंग और ट्रेनिंग पर भी काम करेंगे। दोनों देशों के स्कॉलर्स और खिलाड़ियों का आदान-प्रदान बढ़ेगा।' पीएम मोदी ने कहा, 'यूक्रेन के संबंध में भारत ने हमेशा से शांति का पक्ष रखा है। हम इस मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। भारत अपना योगदान देने के लिए हमेशा तैयार रहा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और रूस ने हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया है। भारत का अटल विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा प्रहार है और इसके विरूद्ध वैश्विक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।'

रूस की मदद से बन रहा न्यूक्लियर पावर प्लांट

पुतिन ने कहा कि रूस और भारत मिलकर भारत में सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट बना रहे हैं। यह कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट (तमिलनाडु) है। यह भारत का नहीं,बल्कि एशिया के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस प्लांट में कुल 6 रिएक्टर बनाए जा रहे हैं। हर रिएक्टर 1000 मेगावॉट बिजली पैदा करेगा। यानी पूरा प्रोजेक्ट तैयार होने पर यहां से 6000 मेगावॉट (6 गीगावॉट) बिजली मिलेगी। पुतिन ने कहा कि छह में से तीन रिएक्टर पहले ही भारत के एनर्जी नेटवर्क से जुड़ चुके हैं। बाकी 3 रिएक्टर (यूनिट 4, 5 और 6) निर्माण के अलग-अलग चरणों में हैं। पुतिन ने कहा, हम भारत के साथ मिलकर नए अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट रूट बना रहे हैं। इसमें एक बड़ा प्रोजेक्ट नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर भी शामिल है। इसका मतलब है कि रूस या बेलारूस से सामान सीधे हिंद महासागर के रास्ते तक पहुंच सकेगा।

पुतिन बोले...भारत-रूस में 96% पेमेंट अपनी करेंसी में

पुतिन ने कहा...प्रधानमंत्री ने हमें उन चुनौतियों की एक लिस्ट दी है जिन पर दोनों सरकारों को ध्यान देना चाहिए और हम उन पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के बीच अगर फ्री ट्रेड एग्रीमेंट बन जाता है,तो दोनों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश धीरे-धीरे अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार की ओर बढ़ रहे हैं, और अभी 96% लेनदेन इसी तरह हो रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में हमारी साझेदारी बहुत सफल है। तेल,गैस,कोयला और भारत की ऊर्जा जरूरतों से जुड़ी हर चीज की सप्लाई स्थिर है।

मोदी बोले...आतंकवाद के खिलाफ भारत-रूस साथ

मोदी ने कहा...भारत और रूस लंबे समय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। चाहे पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला हो या क्रोकस सिटी हॉल पर हुआ कायरतापूर्ण हमला, इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। उन्होंने कहा- भारत का यह पक्का विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ दुनिया की एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

भारत अब दुनिया की स्किल्ड कैपिटल बन रहा : मोदी

मोदी ने कहा कि भारत अब दुनिया की स्किल्ड कैपिटल के रूप में उभर रहा है। हमारे युवा वैश्विक मांग को पूरा करने की क्षमता रखते हैं। रूस के डेमोग्राफिक और आर्थिक प्राथमिकताओं को देखते हुए, यह साझेदारी दोनों देशों के लिए बेहद फायदेमंद है। मोदी ने कहा कि जब भारतीय प्रतिभा को रूसी भाषा और सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षित किया जाएगा, तो हम मिलकर रसिया-रेडी-वर्कफोर्स तैयार कर सकते हैं, जो दोनों देशों की साझा समृद्धि को तेज करेगा।

भारत-रूस की दोस्ती सिर्फ नाम की नहीं : पुतिन

पुतिन ने यूक्रेन शांति पहल पर ध्यान देने के लिए पीएम मोदी का आभार जताया। रूसी राष्ट्रपति ने मोदी से कहा, 'दोनों देशों के रिश्ते बहुत पुराने और गहरे हैं। ये सिर्फ बातें नहीं हैं, इनके पीछे बहुत मजबूत और सच्चा आधार है। भारत-रूस की दोस्ती सिर्फ नाम की नहीं, बल्कि एक-दूसरे के लिए भरोसेमंद हैं।'

दो पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आजम को 7 साल की सजा,50 हजार का जुर्माना भी

रामपुर,05 दिसम्बर 2025। उत्तर प्रदेश के रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सपा नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट और फर्जी दस्तावेज के मामले में सात साल की सजा और 50 हजार रुपये जुर्माना सुनाया है। कोर्ट ने इस अपराध को समाज और राष्ट्र के लिए खतरनाक करार दिया है। यह केस 2019 में बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना की शिकायत पर रामपुर के सिविल लाइंस थाने में दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि अब्दुल्ला आजम ने अलग-अलग जन्मतिथि और अलग पहचान के आधार पर दो पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज बनवाए। आरोप के मुताबिक एक पासपोर्ट वैध दस्तावेजों के आधार पर और दूसरा कथित रूप से फर्जी कागजों और गलत जानकारी पर तैयार किया गया। आशंका जताई गई कि ऐसे डुअल दस्तावेजों का उपयोग बैंकिंग,वोटिंग और अन्य संवेदनशील कामों में किया जा सकता था। कोर्ट ने केस में धोखाधड़ी,फर्जी दस्तावेज तैयार करने और उनका इस्तेमाल करने से जुड़ी धाराओं के तहत दोषी करार दिया। फैसला सुनाते समय कोर्ट ने कहा कि फर्जी पहचान और कागजों से अपराध, दंगा और पहचान की हेराफेरी जैसे गंभीर नतीजे सामने आ सकते हैं।

मर्यादा भंग नहीं तो फोटो खींचना क्राइम नहीं,सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को किया बरी

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 354सी के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि कोई महिला'निजी पलों'में नहीं है,तो उसकी सहमति के बिना फोटो खींचना या मोबाइल से वीडियो बनाना आईपीसी की धारा 354सी के तहत अपराध नहीं माना जाएगा। जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह और जस्टिस मनमोहन की खंडपीठ ने कलकत्ता हाई कोर्ट के एक फैसले को बरकरार रखते हुए एक आरोपी को सभी आरोपों से बरी कर दिया। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस और निचली अदालत ने जिस तरह से इस मामले में कार्रवाई की, वह उचित नहीं था। कोर्ट ने कहा कि केवल इसलिए ताक-झांक का आरोप लगाया गया क्योंकि आरोपी ने महिला को विवादित संपत्ति में प्रवेश करते हुए वीडियो शूट किया था। यह फैसला कानूनी दायरे को स्पष्ट करता है कि ताक-झांक के अपराध के लिए 'निजी पल' में होना कितना आवश्यक है।

गयाजी में शादी पंडाल बन गया जंग का मैदान

रसगुल्ले पड़े कम तो मचा बवाल,आपस में भिड़े दूल्हा-दुल्हन पक्ष,नहीं हुआ विवाह

गया,05 दिसम्बर 2025। बिहार के गया जी में रसगुल्ले को लेकर हुआ विवाद एक शादी टूटने की वजह बन गया। 29 नवंबर को बोधगया के बकरौर स्थित एक होटल में पवन कुमार हथियावां निवासी और कविता कुमारी अतरी निवासी की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। बारात पहुंचने के बाद सभी रस्में ठीक तरीके से चल रहीं थीं। वरमाला भी संपन्न हो चुकी थी। इसके बाद मेहमान भोजन करने पहुंचे। तभी मिठाई में परोसे जाने वाले रसगुल्ले कम पड़ गए। इसी बात पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई जो देखते-देखते मारपीट में बदल गई। सीसीटीवी फुटेज में दोनों ओर से लोगों को कुर्सियां फेंकते, सामान तोड़ते और एक-दूसरे पर हमला करते देखा गया है।

संसद में हंगामा : डीएमके सांसद ने हाईकोर्ट जज को 'आरएसएस जज' कहा

न्यायपालिका को बदनाम करने की आपकी हिम्मत कैसे हुई : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में शुक्रवार को तमिलनाडु से डीएमके सांसद टीआर बालू और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बीच तीखी बहस हुई। डीएमके सांसद ने एक मुद्दे पर बोलते हुए एक हाईकोर्ट के जज को 'आरएसएस जज' कह दिया। किरेन रिजिजू ने इस पर तुरंत आपत्ति जताई। रिजिजू ने कहा...आप एक जज को आरएसएस का जज कैसे कह सकते हैं। यह संसद की मर्यादा का उल्लंघन है। आप एक जज के लिए असंसदीय भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकते। आप माफी मांगिए। न्यायपालिका पर कलंक लगाने की आपकी हिम्मत कैसे हुई। इधर,राज्यसभा में विपक्ष ने इंडिगो में स्टाफ की कमी के चलते देश भर में फ्लाइट ऑपरेशन ठप होने के मुद्दे पर केंद्र से जवाब मांगा। रिजिजू ने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू हालात की समीक्षा कर रहे हैं। केंद्र इंडिगो की क्या मदद कर सकता है,इसका आकलन किया जा रहा है। प्रियंका गांधी ने सदन के बाहर कहा कि इंडिगो की समस्या सरकार के मोनोपोली मॉडल के कारण हुई है। सरकार ने देश की ज्यादातर चीजें चंद लोगों के हाथ में दे दी है। यह सही नहीं है। यह अर्थव्यवस्था, लोकतंत्र और देश के लिए अच्छा नहीं है।

पान मसाला-सिगरेट पर नया टैक्स लगेगा : वित्त मंत्री

सिगरेट-पान मसाला जैसे प्रोडक्ट पर सरकार अब एक्स्ट्रा टैक्स लगाएगी। एक्स्ट्रा टैक्स से आने वाले पैसे को नेशनल सिक्योरिटी के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी। लोकसभा में शुक्रवार को हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल पास हो गया। इस बिल के पास होने के बाद पान मसाला जैसी चीजें महंगी हो जाएंगी। बिल पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कारगिल लड़ाई तैयारी की कमी की वजह से हुई। आर्मी जनरलों ने बताया था कि 1990 के दशक की शुरुआत से बजट की कमी की वजह से आर्मी के पास सिर्फ 70-80% ऑथराइज्ड हथियार,गोला-बारूद और इक्विपमेंट थे। हम नहीं चाहते कि भारत में वह स्टेज फिर कभी वापस आए। वित्त मंत्री ने बिल पेश करते हुए कहा कि सेस किसी भी आवश्यक वस्तु पर नहीं, बल्कि स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली हानिकारक वस्तुओं पर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम नागरिकों पर बोझ डाले बिना राष्ट्र की सुरक्षा के लिए जरूरी चीजों के लिए फंड मिले।

भारतीय रेलवे की समयपालन क्षमता में सुधार कई डिवीजन 90 प्रतिशत से ऊपर : अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय रेलवे की समयपालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ है और पूरे नेटवर्क की समयपालन दर (पंक्चुअलिटी) अब 80 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है। रेल मंत्री वैष्णव ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों के प्रश्नों के जवाब देते हुए कहा कि देश के 70 रेल डिवीजन में से 25 डिवीजन ऐसे हैं, जिन्होंने 90 प्रतिशत से अधिक पंक्चुअलिटी दर्ज की है। यह हाल के वर्षों में की गई मजबूत रखरखाव व्यवस्था और व्यवस्थित परिचालन सुधारों का परिणाम है। रेल मंत्री ने उच्च सदन को बताया कि उन्नत तकनीकों और प्रणालीगत अपग्रेड के कारण ट्रेनों की समय पर संचालन में लगातार सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय रेल समयपालन के मामले में कई यूरोपीय देशों के रेलवे नेटवर्क से बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

सेलेब्रिटी विज्ञापन कर रहे हैं,उन पर रोक लगाएं : हनुमान बेनीवाल

हनुमान बेनीवाल सहित अन्य विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की। बेनीवाल ने सरकार से पूछा कि आप पान मसाला महंगा करने जा रहे हैं, गुटखा और पान मसाले का सेलेब्रिटी विज्ञापन कर रहे हैं। इसके खिलाफ सरकार क्या कर रही है। कांग्रेस के सांसद शशिकांत सेंथिल ने कहा कि इसे समझना मुश्किल है।

पुतिन के डिनर में राहुल-खड़गे को न्योता नहीं,शशि थरूर को बुलाया

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार रात डिनर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को निमंत्रण नहीं दिया गया है। वहीं कांग्रेस के ही सांसद शशि थरूर को बुलाया गया है। पीटीआई ने जब राहुल-खड़गे को न्योता न मिलने का सवाल थरूर से किया तो उन्होंने कहा-मुझे नहीं पता कि निमंत्रण किस आधार पर दिए जाते हैं, लेकिन मैं इस कार्यक्रम में जरूर जाऊंगा। हालांकि, विपक्ष के नेताओं को नहीं बुलाना ठीक बात

नहीं है। इससे पहले राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया था कि सरकार, विदेश से आने वाले शीर्ष नेताओं (दिग्निटरीज) से मिलने नहीं देती। उनसे कहती है कि वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष से न मिलें। इसका कारण सरकार की असुरक्षा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर को 23वें भारत-रूस समिट के लिए दो दिन के भारत दौरे पर पहुंचे है।

एलसीए तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के लिए भारत को अमेरिका से मिला पांचवां जीई-404 इंजन

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। अमेरिकी इंजन निर्माता कंपनी जीई एयरोस्पेस ने शुक्रवार को स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क-1 ए के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को पांचवां जेट इंजन सौंप दिया। इस वित्त वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। एचएएल को मार्च से नए विमान की आपूर्ति करनी थी, लेकिन इसमें लगने वाले इंजन की अमेरिका से आपूर्ति में देरी की वजह से इंतजार लंबा हो गया। अब इंजन को लेकर बुनियादी समस्याओं का समाधान होने के बाद विमान के उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी है। भारत ने फरवरी, 2021 में एचएएल के साथ 83 तेजस मार्क-1ए विमानों के लिए 48 हजार करोड़ रुपये का एक समझौता किया था। इस अनुबंध में 73 लड़ाकू जेट और 10 प्रशिक्षक

विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना को 2024 में पहली खेप मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इस बीच कंपनी जीई एयरोस्पेस (जीई) ने एफ-404 इंजन का उत्पादन बंद कर दिया। रक्षा मंत्रालय ने इसी साल 25 सितंबर को एचएएल के साथ अतिरिक्त 97 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों के नए ऑर्डर का अनुबंध किया है, जिसमें 68 सिंगल-सीट लड़ाकू विमान और 29 ट्विन-सीट ट्रेनर विमान हैं,जिनकी डिलीवरी 2027-28 में शुरू होकर छह वर्षों में पूरी होगी। इस तरह एचएएल को भारतीय वायु सेना के लिए 180 विमानों का निर्माण करना है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कंपनी ने इसी साल 26 मार्च को पहला इंजन भारत को सौंपा। इसके बाद 13 जुलाई को जीई ने दूसरा इंजन भेजा। एचएएल को एलसीए मार्क-1ए के लिए तीसरा जीई-404 इंजन 11 सितंबर को मिला। कंपनी ने उसी समय एक और इंजन सितंबर के अंत तक देने का वादा किया था, जिसकी आपूर्ति 30 सितंबर को की गई। भारत को चार इंजन मिलने के बाद एलसीए मार्क-1ए विमानों के उत्पादन और आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद बढ़ी है। अमेरिकी इंजन निर्माता कंपनी जीई एयरोस्पेस ने पांचवां इंजन आज एचएएल को सौंप दिया।

देश में पहली बार ऑनलाइन पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया का इतिहास मप्र ने बनाया

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। देश में पहली बार ऑनलाइन पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया का इतिहास मप्र ने बनाया है। प्रदेश में सुशासन और पारदर्शिता का एक ऐसा उदाहरण सामने आया है, जिसने न सिर्फ राज्य को एक नई दिशा दी है बल्कि कहना चाहिए कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। मध्य प्रदेश में पहली बार राज्य में सरकारी नियुक्ति पूरी तरह ऑनलाइन पारदर्शी पद्धति से की गई है और इस ऐतिहासिक पहल का केंद्र बना है मध्य प्रदेश विधानसभा का सभाकक्ष। यहां से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और

सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर एक नई परंपरा की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमन्त्री ने कहा कि प्रशासन की सबसे निचली पायदान ग्राम स्तर पर काम करने वाली बहनों को सबसे ऊँचे लोकतांत्रिक मंच विधानसभा से नियुक्ति पत्र देना एक अद्वितीय और प्रेरक क्षण है। उन्होंने इसे इतिहास बनाने वाला अवसर बताया। मुख्यमंत्री ने सभी चयनित कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे कुपोषण के खिलाफ एकजुट होकर काम करें और यशोदा मैया की तरह हर बच्चे को शिक्षा, संस्कार और सुरक्षा दें। नवचयनित कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने विधानसभा की कार्यवाही को भी प्रत्यक्ष रूप से देखा जो उनके लिए एक नया अनुभव रहा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने नियुक्त हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी ।

पैसेंजर्स की सुरक्षा की कीमत पर इंडिगो को राहत सरकार ने वीकली रेस्ट नियम वापस लिया

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो की पिछले 4 दिनों में 1200 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल होने के बाद केंद्र सरकार शुक्रवार को बैकफुट पर आ गई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने एयलाइंस, खासकर इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी राहत दी है। वीकली

रेस्ट के बदले कोई भी छुट्टी नहीं देने के फैसले को वापस ले लिया। इंडिगो का दावा है कि इस नियम की वजह से पायलटों और अन्य स्टाफ की कमी हुई थी और पूरा ऑपरेशन प्रभावित हुआ।

संपादकीय

सत्ता संघर्ष में फंसी कर्नाटक कांग्रेस

कांग्रेस आलाकमान की समस्या यह है कि कोई भी फैसला जोखिम मुक्त नहीं। इस आशंका से इन्कार नहीं कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाए जाने की स्थिति में सिद्दरमैया भाजपा से दोस्ती कर लें। वह मूलतः कांग्रेसी नहीं हैं। लोकदल की पृष्ठभूमि वाले सिद्दरमैया जनता दल (सेक्युलर) में भी रह चुके हैं। एचडी देवेगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी से टकराव के चलते उन्हें कांग्रेस में आना पड़ा।

मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने और पाने के लिए संघर्षरत दो नेताओं को चार दिन में दो बार साथ-साथ नाश्ता करना पड़े तो कर्नाटक की सत्ता-राजनीति में सब कुछ सामान्य नहीं माना जा सकता। माना जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान की सलाह पर मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अपने जगजाहिर सत्ता संघर्ष को 'ब्रेकफास्ट डिप्लोमेसी' से छिपाने में लगे हैं। मई 2023 में दूसरी बार मुख्यमंत्री बने सिद्दरमैया कार्यकाल की आधी अवधि पूरी कर चुके हैं और शिवकुमार चाहते हैं कि अब उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाए। चर्चा है कि 2023 में दोनों के ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री रहने का फार्मूला आलाकमान ने बनाया था।

ऐसी चर्चाएं राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी सुनने में आई थीं। 2018 में मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकार ज्योतिरादित्य सिंधिया के 'हाथ' छोड़ 'कमल' थाम लेने के चलते जल्दी ही गिर गई थी,जबकि राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकारें सत्ता में वापसी नहीं कर पाईं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और सचिन पायलट ने आलाकमान को ढाई-ढाई साल कुर्सी का फार्मूला याद दिलाया था,लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। हां, अगले चुनाव में दोनों ही राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर अवश्य हो गई।

सिद्दरमैया और शिवकुमार नेतृत्व के मुद्दे पर आलाकमान का फैसला 'अंतिम' होने की बात कह रहे हैं। आलाकमान के दिल्ली बुलावे का इंतजार दोनों को है। सिद्दरमैया मंत्रिमंडल में फेरबदल की मंजूरी चाहते हैं, ताकि नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर विराम लगे,जबकि शिवकुमार ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्रित्व का वादा याद दिलाना चाहते हैं। आलाकमान खुद को 'इधर कुआं, उधर खाई' वाली स्थिति में पा रहा है। 77 साल के सिद्दरमैया के मुकाबले 63 साल के शिवकुमार युवा हैं, पर क्या वह मुख्यमंत्री बनने के लिए अगले चुनाव तक इंतजार करना चाहेंगे? ध्यान रहे कांग्रेस की अंतर्कलह के बीच भाजपा दक्षिण भारत में अपना दुर्ग रहे कर्नाटक को वापस पाने की ताक में है। साधनसंपन्न शिवकुमार कांग्रेस के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाते रहे हैं। प्रश्न है कि यदि उपयोगिता के बावजूद आलाकमान ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्रित्व का अपना कथित वादा नहीं निभा पाता,तब क्या शिवकुमार इंतजार करने के बजाय ज्योतिरादित्य सिंधिया बनना पसंद नहीं करेंगे? ध्यान रहे कि अधिकांश नेता सिर्फ सत्ता के सगे होते हैं। कांग्रेस आलाकमान की समस्या यह है कि कोई भी फैसला जोखिम मुक्त नहीं। इस आशंका से इन्कार नहीं कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाए जाने की स्थिति में सिद्दरमैया भाजपा से दोस्ती कर लें। वह मूलतः कांग्रेसी नहीं हैं। लोकदल की पृष्ठभूमि वाले सिद्दरमैया जनता दल (सेक्युलर) में भी रह चुके हैं। एचडी देवेगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी से टकराव के चलते उन्हें कांग्रेस में आना पड़ा।

224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस के 135 विधायक हैं तो भाजपा और जद-एस के क्रमशः 66 और 19 विधायक। चार अन्य भी सत्ता के साथ गिने जा सकते हैं। दो-ढाई दर्जन विधायक भी पाला बदल लें तो 'खेल' हो जाएगा। दलबदल कानून की चिंता इसलिए नहीं कि विधायकों के इस्तीफे से सदन की प्रभावी संख्या कम कर बहुमत का आंकड़ा नीचे लाने का जुगाड़ कर्नाटक में पहले भी आजमाया जा चुका है। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह राज्य है,लेकिन राजनीतिक संकट के समाधान के लिए दोनों पक्ष नेहरू-गांधी परिवार की ओर ही ताक रहे हैं।

2023 के चुनाव में कांग्रेस कर्नाटक की सत्ता इसलिए हासिल कर पाई,क्योंकि विभाजित भाजपा के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावनाओं को भुनाने के लिए सिद्दरमैया और शिवकुमार समेत सभी नेता एकजुट थे। कर्नाटक की चुनावी राजनीति तीन प्रमुख समुदाय तय करते हैं: लिंगायत, वोक्कालिगा और कुरबा। शिवकुमार कर्नाटक की दूसरी प्रमुख जाति वोक्कालिगा से हैं तो सिद्दरमैया तीसरी प्रमुख जाति कुरबा से। सर्वाधिक असरदार समुदाय लिंगायत येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाने के चलते पिछले चुनाव में भाजपा से नाराज दिखा था। भाजपा ने वोक्कालिगा समुदाय के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के जद-एस से गठबंधन कर नुकसान की भरपाई करनी चाही,पर सत्ता विरोधी भावना से लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों तक तमाम परिस्थितियां उसके विरुद्ध साबित हुईं। शिवकुमार भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में थे,पर सामाजिक-राजनीतिक समीकरण साधते हुए आलाकमान ने सिद्दरमैया की ताजपोशी का फैसला किया। शिवकुमार कांग्रेस के लिए राजनीतिक-आर्थिक रूप से बेहद उपयोगी हैं,तो सिद्दरमैया खुद को कांग्रेस के लिए अपरिहार्य बनाना चाहते हैं।

क्षत्रपों की मनमानी से अतीत में राज्य-दर-राज्य हुए नुकसान से कांग्रेस आलाकमान ने इतना सबक तो सीख ही लिया है कि किसी भी क्षत्रप को पार्टी के लिए अपरिहार्य न बनने दे,लेकिन वैसा होने से रोकने के लिए वह जरूरी साहस अभी तक नहीं दिखा पाया है। राहुल गांधी ओबीसी-दलित वर्ग को वापस कांग्रेस से जोड़ने की कवायद में लगे हैं और सिद्दरमैया ओबीसी ही हैं, जबकि शिवकुमार अगड़े वर्ग से हैं। इसलिए दोनों के बीच के सत्ता-संघर्ष में आलाकमान मल्लिकार्जुन खरगे के रूप में सुरक्षित मध्य मार्ग भी चुन सकता है,जो दलित हैं।

जवाबदेही की नई राह : मंत्रियों की कार्य-रिपोर्ट और सदन अध्यक्ष द्वारा समीक्षा

लोकतांत्रिक शासन में पारदर्शिता,उत्तरदायित्व और संस्थागत समीक्षा की नई पहल: मंत्रियों के कार्य-काज की नियमित रिपोर्ट तैयार की जाए।रिपोर्टों की समीक्षा सदन के अध्यक्ष द्वारा की जाए। प्रक्रिया से पारदर्शिता,कार्यक्षमता और जवाबदेही बढ़ेगी। लोकतांत्रिक नियंत्रण और तटस्थ मूल्यांकन को संस्थागत रूप मिलेगा...

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा,भिवानी,हरियाणा

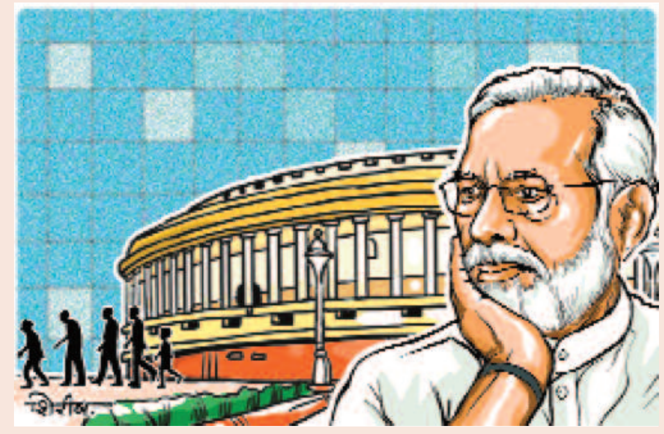

लोकतंत्र की सफलता केवल जनता की भागीदारी पर निर्भर नहीं करती,बल्कि इससे भी अधिक इस बात पर आधारित होती है कि शासन-तंत्र कितना जवाबदेह, पारदर्शी और परिणामोन्मुख है। भारत जैसे विशाल और बहुस्तरीय लोकतंत्र में यह प्रश्न कई गुना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या मंत्री–जो विभिन्न मंत्रालयों के शीर्ष प्रशासक हैं–अपने विभाग के कार्य,नीतियों और दैनिक प्रशासनिक निर्णयों के प्रति पर्याप्त रूप से उत्तरदायी हैं? समय-समय पर यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि शासन में पारदर्शिता की कमी, जवाबदेही का अभाव और नीतिगत अस्पष्टता जैसी समस्याएँ निर्णय-प्रक्रिया को कमजोर करती हैं। इन्हीं परिस्थितियों में यह विचार उभरता है कि मंत्रियों के कार्य-काज की नियमित रिपोर्ट तैयार की जाए और उसकी समीक्षा सदन के अध्यक्ष द्वारा की जाए।

यह प्रस्ताव मात्र प्रशासनिक सुधार नहीं है,यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में शक्ति-संतुलन, नैतिक जिम्मेदारी और जन-विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। भारत की संवैधानिक संरचना में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यपालिका के रूप में मंत्री शासन-व्यवस्था की धुरी होते हैं,परंतु उनकी जवाबदेही अक्सर केवल चुनावी परिणामों या राजनीतिक आलोचनाओं तक सीमित रह जाती है। यदि इनके दायित्वों और निर्णयों का नियमित आकलन एक संस्थागत प्रक्रिया के अंतर्गत हो,तो शासन न केवल अधिक पारदर्शी होगा बल्कि जनता के प्रति अधिक उत्तरदायी भी बन सकेगा।

मंत्रियों की कार्य-रिपोर्ट तैयार करने का विचार शासन के उस बुनियादी सिद्धांत को मजबूत करता है,जिसमें कार्यपालिका को अपनी प्रत्येक गतिविधि का तर्कसंगत विवरण देना होता है। एक व्यवस्थित रिपोर्ट मंत्री को बाध्य करती है कि वह अपने विभाग की वास्तविक स्थिति, योजनाओं की प्रगति,वित्तीय उपयोग,चुनौतियों और भविष्य के लक्ष्यों को सत्य और स्पष्ट रूप में वर्णित करे। यह दस्तावेज़ किसी राजनीतिक भाषण या प्रचार की तरह नहीं, बल्कि शासन का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड बनता है।

यदि इस रिपोर्ट की समीक्षा सदन अध्यक्ष द्वारा की जाती है, तो इसकी विश्वसनीयता और गंभीरता दोनों ही बढ़ जाती हैं। सदन अध्यक्ष भारतीय लोकतंत्र में तटस्थता के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं। उनकी भूमिका केवल सदन की कार्यवाही का संचालन करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे विधायी नैतिकता और संसदीय मर्यादाओं के संरक्षक भी होते हैं। उनकी समीक्षा एक निष्पक्ष, संतुलित और राजनीतिक प्रभाव से मुक्त दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

यह तर्क दिया जा सकता है कि ऐसी प्रणाली मंत्री की स्वतंत्रता को सीमित कर देगी। परंतु यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में किसी भी पद की स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ जुड़ी होती है,उससे अलग नहीं होती। जब एक मंत्री जानता है कि उसके प्रत्येक निर्णय का औपचारिक दस्तावेज़ बनकर समीक्षा के लिए जाएगा, तो वह नीतिगत गंभीरता और प्रशासनिक अनुशासन को और मजबूत रूप से अपनाता है।

इसके साथ ही,एक ऐसी रिपोर्टिंग व्यवस्था शासन में निरंतरता भी सुनिश्चित करती है। मंत्रालयों में मंत्रियों का परिवर्तन सामान्य प्रक्रिया है,परंतु अक्सर नीतियाँ इसी संक्रमण में कमजोर पड़ जाती हैं क्योंकि नई नेतृत्व टीम को पिछली प्रगति की सटीक जानकारी नहीं मिल पाती। नियमित रिपोर्टें इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करती हैं। इससे शासन में न केवल पारदर्शिता बढ़ती है बल्कि नीतिगत निरंतरता और प्रशासनिक स्थिरता भी सुनिश्चित होती है।

दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में ऐसी व्यवस्थाएँ पहले से मौजूद हैं। ब्रिटेन,कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में मंत्रियों की नियमित रिपोर्ट संसद या उसकी समितियों के समक्ष प्रस्तुत की जाती है। यह प्रक्रिया दिखाती है कि जवाबदेही केवल राज नीतिक आलोचना का विषय नहीं है,बल्कि शासन का एक अनिवार्य अंग है। भारत में यदि यह प्रणाली लागू होती है, तो यह वैश्विक मानकों के अनुरूप एक आधुनिक और पारदर्शी प्रशासनिक ढाँचा स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम होगा।

ऐसी रिपोर्टिंग प्रणाली का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष जनता का अधिकार है। भारत में नागरिक बार-बार यह भावना व्यक्त करते हैं कि शासन-तंत्र उनके प्रति पर्याप्त रूप से पारदर्शी नहीं है। योजनाओं की प्रगति,बजट का वास्तविक उपयोग और समय-सीमाएँ अक्सर अस्पष्ट रहती हैं। इस प्रस्ताव के लागू होने से जनता को भी मंत्रालयों के कार्य-काज का प्रामाणिक सार सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे एक स्वस्थ लोकतांत्रिक संवाद स्थापित होगा।

सदन अध्यक्ष द्वारा की गई समीक्षा आलोचना का रूप नहीं होगी; यह सुधारात्मक प्रक्रिया का एक हिस्सा बनेगी। समीक्षा से मिली टिप्पणियाँ मंत्री के लिए दिशानिर्देश बन सकती हैं, जो विभाग की कार्यक्षमता और नीतियों की गुणवत्ता को और ऊँचा उठाने में मदद करेंगी। जब तंत्र निष्पक्ष निगरानी के साथ चलता है, तो लापरवाही और विलंब जैसी समस्याएँ स्वतः ही कम हो जाती हैं।

यह प्रस्ताव शासन की उस बुनियादी धारणा को फिर से स्थापित करता है कि सत्ता का उद्देश्य केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है। मंत्री जब अपने दायित्वों का नियमित लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हैं, तो वे न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता में योगदान देते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता को भी मजबूत करते हैं।

निष्कर्षतः, मंत्रियों की कार्य-रिपोर्ट और सदन अध्यक्ष द्वारा उसकी समीक्षा एक ऐसी पहल है जो भारत के लोकतंत्र को अधिक जीवंत, अधिक पारदर्शी और अधिक विश्वसनीय बना सकती है। यह प्रस्ताव शासन के प्रत्येक स्तर को उत्तरदायित्व के नए मानदंडों के तहत लाने की क्षमता रखता है। यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति के उन्नयन की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।यदि भारत इस दिशा में आगे बढ़ता है,तो यह लोकतंत्र की वास्तविक भावना–जन-उत्तरदायित्व, सच्ची सेवा और पारदर्शी शासन–को और मज़बूत करेगा। ऐसी प्रत्येक पहल लोकतंत्र को सिर्फ़ एक शासन-व्यवस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत और मूल्य-आधारित परंपरा बनाती है, जो समय के साथ और भी परिष्कृत होती जाती है।

राजनीति का नैतिक अवसान,लोकतंत्र के भविष्य को खतरा

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

महात्मा गांधी का अमर वाक्य आज भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक त्रासदी पर सीधा प्रहार करता है सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है।कभी राजनीति जनसेवा का श्रेष्ठ मार्ग थी,यह मार्ग त्याग, तपस्या,साधना और राष्ट्रहित की भावना से निर्मित था,जहाँ राजनेता स्वयं को राष्ट्र के सेवक के रूप में देखते थे, न कि सत्ता के स्वामी के रूप में। किंतु समय का चक्र बदला और आज राजनीति का चरित्र भयावह रूप से परिवर्तित हो गया है। आधुनिक राजनीति का सबसे बड़ा संकट यही है कि इससे नैतिकता,सदाचार और आदर्श लगभग विलुप्त होते जा रहे हैं और सत्ता का लोभ, पद का प्रलोभन तथा सिद्धांतहीनता इसका मुख्य आधार बनते जा रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के समय राजनीतिक नेतृत्व राष्ट्र के प्रति समर्पित था,वह त्याग और सत्याग्रह की शक्ति से समृद्ध था। महात्मा गांधी की अहिंसा,स्वामी विवेकानंद का राष्ट्रधर्म,नेताजी सुभाष चंद्र बोस की क्रांति चेतना,सरदार वल्लभभाई पटेल की संगठन शक्ति,लाल बहादुर शास्त्री की सादगी,जवाहरलाल नेहरू की वैचारिक प्रतिबद्धता,डॉ.राजेंद्र प्रसाद और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का संविधान निर्माण ये सभी राजनीतिक आदर्श नैतिकता की ऊष्मा से प्रेरित थे। उस समय राजनीति में प्रवेश एक तपस्वी जीवन था,सत्ता नहीं सेवा थी, लाभ नहीं,त्याग था,प्रतिष्ठा नहीं, जिम्मेदारी थी। किंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राजनीति की दिशा धीरे-धीरे बदलती गई। जब लोकतंत्र में सत्ता की शक्ति का विस्तार हुआ,तब नैतिकता का पतन भी उसी गति से आरंभ हुआ। राजनीति सत्ता प्राप्ति का खेल बन गई और पद प्राप्त करने की होड़ नैतिकता, सिद्धांत और मानवीय मूल्यों पर भारी पड़ने लगी। आज स्थिति यह है कि राजनीति में प्रवेश का प्रमुख आधार धनबल,बाहुबल और धोखाधड़ी की शक्ति बन गया है। अनेक जन प्रतिनिधियों पर गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं,फिर भी वे संसद और विधानसभाओं की कुर्सियाँ सजाते हैं। सार्वजनिक संपत्ति को लूटने और रिश्वतखोरी के अपराधों में संलिप्त अनेक नेताओं की लंबी सूची है,जिन पर आरोप सिद्ध होने के बावजूद वे शासन-प्रशासन के निर्णायक पदों पर बैठे रहते हैं। यह राजनीति का सबसे बड़ा पतन है कि जिस शक्ति का उद्देश्य राष्ट्रनिर्माण था,वह व्यक्तिगत लाभ का साधन बन चुकी है। राजनीति आज

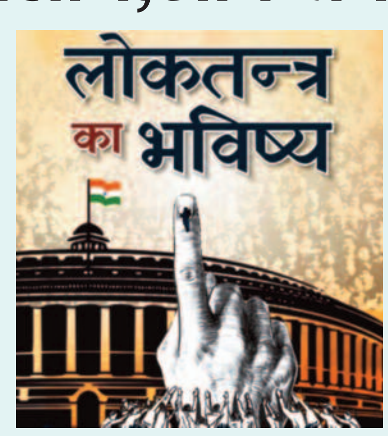

चरित्रहीनता का उच्चतम उदाहरण प्रस्तुत कर रही है जहाँ भाई-भतीजावाद,परिवारवाद और पदों का व्यापार खुलकर सामने आता है। योग्य व्यक्ति अवसर से वंचित हो जाता है और अयोग्य सत्ता के केंद्र में पहुँच जाता है। कई राजनीतिक परिवारों में टिकट क्षमता से नहीं,बल्कि रक्त संबंध और वित्तीय शक्ति के आधार पर दिए जाते हैं। यह वह समय है जहाँ अपराधी चरित्र के व्यक्तियों को सुरक्षा,समर्थन और संरक्षण राजनीति के माध्यम से प्राप्त होता है। उद्योगपतियों और राजनीतिज्ञों का गठजोड़–जिसे क्रोनी कैपिटलिज़्म कहा जाता है–लोकतंत्र को सबसे अधिक क्षतिग्रस्त कर रहा है। चंदे के नाम पर खरीद-फरोख्त और नीतियों को निजी उद्योगों के पक्ष में घुमा देना आज आम बात है। इससे जनता का शोषण होता है,असमानता बढ़ती है और विकास असंतुलित होता है। महान अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि जब नीतियाँ नैतिकता से कट जाती हैं,तब विकास असमानता का हथियार बन जाता है। संसद और विधानसभाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। बहसें समाधान और नीतियों पर केंद्रित होने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप,हंगामे और असभ्य भाषा की प्रदर्शनशाला बन गई हैं। कानून निर्माण की प्रक्रिया बाधित होती जा रही है और सदन की कार्यक्षमता लगातार गिरती जा रही है। लोकतंत्र का मंदिर कहलाने वाली संसद अब राजनीतिक लाभ और मीडिया प्रदर्शन का मंच बन चुकी है। प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा था–मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनीतिक शिक्षा का मूल है। जब स्वभाव स्वार्थ से संचालित होने लगे,तब राजनीति राष्ट्र के लिए नहीं, व्यक्ति विशेष के लोभ के लिए कार्य करने लगती है। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है कि हर पेशे में योग्यता निर्धारित है–डॉक्टर,इंजीनियर, वकील, शिक्षक–सभी के लिए शैक्षणिक योग्यता और प्रशिक्षण अनिवार्य है,किंतु देश चलाने वाले जनप्रतिनिधियों के लिए किसी भी प्रकार की योग्यता का प्रावधान संविधान में नहीं है। जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसके लिए कोई स्पष्ट मानदंड निर्धारित नहीं किया गया। परिणामतः राजनीति में अयोग्यता,असभ्यता और अपराधी वृत्ति के लोग तेजी से प्रवेश पा रहे हैं।

यदि राजनीति को शुद्ध करना है,तो जनप्रतिनिधियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता,चरित्र प्रमाणपत्र और गंभीर अपराध के दोषियों पर चुनावी प्रतिबंध आवश्यक है। राजनीतिक दलों को आरटीआई और वित्तीय ऑडिट के दायरे में लाया जाना चाहिए ताकि चंदा और खर्च की पारदर्शिता बनी रहे। चुनाव सुधार,नैतिक आचरण संहिता और संसदीय नियमों को कठोरता से लागू करना होगा। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था–राजनीति राष्ट्र के विकास का इंजन है,पर यह तब ही चल सकती है जब इसे ईमानदारी का ईंधन मिले। आज राष्ट्र को चरित्रवान नेतृत्व की आवश्यकता है–ऐसे नेता जो राष्ट्रहित को स्वयं के हित से ऊपर रखें, सत्ता को सेवा मानें,न कि उपलब्धि। राजनीति तभी पवित्र बनेगी जब समाज शिक्षित,जागरूक और नैतिक नेतृत्व को चुनने के लिए प्रतिबद्ध होगा। लोकतंत्र तभी सुरक्षित रहेगा जब राजनीति का मूल लक्ष्य सत्ता नहीं, बल्कि समाज का उत्थान होगा। नैतिकता का पुनर्जागरण अनिवार्य है,अन्यथा आने वाली पीढ़ियाँ हमें क्षमा नहीं करेंगी। राजनीति की सच्ची आत्मा नैतिकता है यदि यह नष्ट हो गई,तो लोकतंत्र केवल एक ढाँचा बनकर रह जाएगा,जिसकी दीवारें धीरे-धीरे ढह जाएँगी। अतः आज का संदेश यही हैल राजनीति में नैतिकता लौटे, चरित्रशील नेतृत्व आगे आए,और लोकतंत्र विश्वास, पारदर्शिता एवं सदाचार की नई नींव पर पुनर्निर्मित हो।

सर्दियों का मौसम और हरी सब्जियों में छुपा सेहत का राज

डॉ. मुश्ताक़अहमद शाह

सर्दियों का मौसम शरीर के लिए एक ऐसा समय होता है जब ठंड और सूखेपन के कारण शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर हो सकती है। इसी लिए सर्दियों में हरी पत्तेदार सब्जियों और मौसमी सब्जियों का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इनमें पोषक तत्व जैसे विटामिन ए,सी,डी, कैल्शियम, आयरन,मैग्नीशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो इम्यूनिटी बढ़ाने,पाचन तंत्र को ठीक रखने और शरीर को अंदर से गर्म रखकर बीमारियों से बचाते हैं।

सर्दियों के मौसम में हरी सब्जियों के फायदे

पालक,आयरन, विटामिन ए,सी , डी और के से भरपूर,यह पाचन को बेहतर बनाता है और त्वचा एवं बालों के लिए फ़ायदेमंद होता है। साथ ही यह ऊर्जा स्तर भी बढ़ाता है।मेथी, पाचन सुधरती है,डायबिटीज़,वजन नियंत्रण और हड्डियों के लिए लाभदायक है।

बथुआ,विटामिन्स, मिनरल्स,कैल्शियम और मैग्नीशियम में उच्च

यह शरीर को गर्म रखता है और पाचन सही रखता है। सरसों का साग, कैल्शियम और पोटैशियम का स्रोत जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं और मेटाबॉलिज़्म बेहतर रहता है।

अन्य हरी पत्तेदार सब्ज़ियां, एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरी,जो इम्यून सिस्टम को मज़बूत बनाती हैं और गैस व अपच जैसे पाचन समस्याओं को दूर करती हैं।

सर्दियों में सेहत की देखभाल के अन्य जरूरी सुझाव

विटामिन सी,डी और जिंक युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें जो इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। तुलसी और शहद का सेवन संक्रमण से बचाव में मदद करता है। जाड़ा में संतुलित पोषण और नियमित व्यायाम से शरीर का तापमान और ऊर्जा स्तर बनाए रखें। यह सब्जियां और उपाए सर्दियों में आपके शरीर को गर्म, स्वस्थ और रोगों से दूर रखने में अत्यंत सहायक होते हैं। इसलिए सर्दियों के मौसम में इन हरि सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करें और सेहतमंद रहकर ठंडे मौसम का आनंद लें।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

जाति से आगे निकलती राजनीति

बद्री नारायण

बिहार विधानसभा चुनाव में राजग को अद्भुत विजय प्राप्त हुई। इसे अद्भुत इसलिए कह रहा हूं,क्योंकि इसमें सर्वसमाज की चुनावी भागीदारी मुखरता से अभिव्यक्त हुई। समाज के सभी हिस्सों-दलित,पिछड़ा,अगड़ा,महिला और युवाओं का सर्वाधिक मत एवं समर्थन राजग के घटक दलों को मिला। बिहार के 67 प्रतिशत ओबीसी में से अगड़े ओबीसी का 71 प्रतिशत तथा अति पिछड़े ओबीसी का 68 प्रतिशत मत राजग को मिला। महागठबंधन के सबसे बड़े घटक राजद के ठोस वोट बैंक माने जाने वाले यादव और मुस्लिमों के मतों का भी एक हिस्सा राजग को प्राप्त हुआ। महागठबंधन के पक्ष में मुस्लिम-यादव गोलबंदी इस चुनाव में कुछ कमजोर पड़ी। करीब 60 प्रतिशत दलितों ने राजग को चुना। 48 प्रतिशत महिलाओं और 46 प्रतिशत पुरुषों ने भी राजग को वोट दिया। इसी के साथ युवाओं के एक बड़े प्रतिशत ने भी राजग की विजय में बड़ी भूमिका निभाई। आंकड़े बताते हैं कि बिहार में समाज के सभी आर्थिक वर्गों यथा उच्च वर्ग,मध्य वर्ग एवं निम्न आर्थिक वर्ग ने अपना सर्वाधिक समर्थन जदयू-भाजपा के गठबंधन को दिया।

बिहार का जनादेश भारतीय समाज एवं भारतीय जनतंत्र की मूल प्रवृत्ति में बड़े रूपांतरण का द्योतक है। इस रूपांतरण को चुनाव परिणाम के विश्लेषण से सहज ही समझा जा सकता है। चुनाव परिणाम ने दिखाया कि अस्मितापरक गोलबंदी की राजनीति अब धीरे-धीरे अपना प्रभाव खोती जा रही है। विशेष रूप से जातीय अस्मिताओं की राजनीति,जो जातियों के बीच जातिभाव का टकराव बढ़ाकर विकसित की जाती है। बिहार के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि जनता को अब उससे कुछ ज्यादा चाहिए। राजनीतिशास्त्री रजनी कोठारी ने एक बार कहा था कि राजनीति को जाति चाहिए और जाति को राजनीति। नए संदर्भ में अब यह कहना उचित होगा कि राजनीति जाति से आगे निकल रही है।

जारी रहे एसआईआर,सुप्रीम कोर्ट ने भी माना आवश्यक काम

नरेंद्र सावंरिया

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह यह कहा कि यह एक आवश्यक काम है और संबंधित कर्मचारियों यानी बीएलओ को इसे करना ही होगा, उसके बाद इस प्रक्रिया के खिलाफ खड़े लोगों को यह समझ आ जाए तो अच्छा कि इस पहल का विरोध करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। यह विचित्र है कि विपक्षी दल एसआईआर के खिलाफ न केवल संसद में मोर्चा खोले हुए हैं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट में भी याचिकाओं का ढेर लगाए हुए हैं। इसके पहले वे बिहार में इस प्रक्रिया के दौरान वोट चोरी का आरोप लगाते हुए सड़कों पर उतरे थे। यह व्यर्थ की कसरत ही सिद्ध हुई थी। बावजूद इसके विपक्षी दल यह समझने को तैयार नहीं कि वे एक हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं। आखिर जब अतीत में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण होता रहा है और अभी हाल में बिहार में इस काम को कहीं कम समय में किया गया,तब फिर विपक्षी दल किस आधार पर यह आस लगाए हैं कि सुप्रीम कोर्ट 12 राज्यों में जारी इस प्रक्रिया को रोक देगा? सुप्रीम कोर्ट लगातार यही संकेत दे रहा है कि वह एसआईआर को रोकने के पक्ष में नहीं, लेकिन शायद विपक्षी दल दीवार पर लिखी इबारत पढ़ने को तैयार नहीं। यह राजनीतिक हठधर्मी ही है।विपक्षी दलों की इस बात में तो कुछ तत्व दिखता है कि

एसआईआर का काम कर रहे बीएलओ दबाव में हैं, लेकिन इस समस्या का समाधान यह नहीं कि इस प्रक्रिया को रोक दिया जाए। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को निर्देश दिए कि वे एसआईआर कर रहे कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएं,उनके काम का बोझ कम करें और आवश्यक हो तो उन्हें अवकाश भी दें।

स्वतंत्रता सेनानी परिवार को जाति प्रमाण-पत्र मामले में मिली क्लीन चिट,कुसमी निवासी बसंती सिंह ने लगाया था आरोप

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने कलेक्टर से मांगा जवाब

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी थाना अंतर्गत कुसमी निवासी सोमनाथ भगत के उरांव जाति प्रमाण-पत्र के विवाद में आखिरकार सोमनाथ भगत परिवार को बड़ी राहत मिली है। सात सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति रायपुर ने उनके जाति प्रमाण-पत्र को विधि-सम्मत और मान्य करार दिया है। बसंती सिंह ने लगाया था जाति प्रमाण-पत्र को लेकर आरोप। बलरामपुर जिले के कुसमी ग्राम रामनगर निवासी बसंती सिंह ने सोमनाथ भगत के जाति प्रमाण-पत्र को फर्जी बताते हुए बलरामपुर कलेक्टर के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान जिला स्तरीय छानबीन समिति ने बसंती सिंह की शिकायत को आधार सोमनाथ भगत के जाति प्रमाण-पत्र को निरस्त कर दिया था। उन्हें आदिवासी न मानते हुए भू-राजस्व संहिता की धारा 170 'ख' के तहत भूमि बेदखली की कार्रवाई प्रारंभकी गई थी। उनके पुत्रों के जाति प्रमाण-पत्र भी निरस्त कर दिए गए थे। इस मामले में राजपुर अनुभाग के पटवारी अमरजीत भगत को निलंबित किया गया था। इसके बाद सोमनाथ भगत ने उच्च स्तरीय छानबीन समिति में अपील की थी। जिसपर समिति ने उनके द्वारा पेश दस्तावेजों का परीक्षण किया और उनके उरांव जाति प्रमाण पत्र को विधि सम्मत स्वीकार किया। इससे स्वतंत्रता सेनानी परिवार को बड़ी

राहत मिली है। यह बताना लाजमी होगा कि सोमनाथ भगत के पिता महली भगत स्वतंत्रता संग्राम के अग्रिम पंक्ति के सेनानी रहे हैं। उन्होंने वर्ष 1936 से महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया था। वर्ष 1942 में उन्हें एक वर्ष का कारावास हुआ था। तत्कालीन प्रधान मंत्री स्व इंदरा गंधी के द्वारा ताम्र पत्र देकर सम्मानित किया गया था। स्वतंत्रता सेनानी महती भगत के योगदान के लिए उन्हें सम्मान में स्वतंत्रता की 25वीं वर्षगांठ पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा उन्हें ताम्रपत्र प्रदान किया गया था। सोमनाथ भगत ने कुसमी राष्ट्रपति के नाम लिखकर एसडीएम एवं बलरामपुर कलेक्टर पत्र लिखकर की मांग। सोमनाथ भगत ने 21 नवंबर को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर कुसमी एसडीएम व बलरामपुर कलेक्टर पर दुर्व्यवहार एवं अनदेखी का आरोप लगाते हुए उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि राष्ट्रपति के सरगुजा प्रवास के दौरान जिले के सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों को मिलने का आमंत्रण दिया गया। लेकिन महली भगत स्वतंत्रता सेनानी के परिवार को सूचना तक नहीं दी गई। इसे उन्होंने परिवार के प्रति भेदभावपूर्ण व अपमानजनक बताया है। इसी आक्रोश में उन्होंने अपने पिता महली भगत को मिले ताम्रपत्र को वापस लौटाने की इच्छा व्यक्त की है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने कलेक्टर से मांगा जवाब : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने बलरामपुर कलेक्टर को पत्र भेजकर कहा कि अनुसूचित जनजाति के परिवार के मकान, दुकानों को आपराधिक ढंग से बुलडोजर से तुड़वाकर नष्ट करने पर सोमनाथ भगत ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को शिकायत की थी। आयोग ने कलेक्टर को पत्र लिखकर 15 दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। आयोग ने पत्र में लिखा है कि यदि नियत अवधि में आयोग में आपका उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो आयोग भारत के संविधान के अनुच्छेद 338क के अंतर्गत उसे प्रदत्त सिविल न्यायालय की शक्तियों का प्रयोग कर सकता है तथा वैयक्तिक रूप से या प्रतिनिधि के माध्यम से आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए आपको समन भी जारी कर सकता है।

जिले की सभी समितियों में एग्रीस्टैक एफआर के लिए शिविर आयोजित

8 दिसंबर 2025 तक किसानों के लंबित खसरों को किया जाएगा ऑनलाइन,जिला प्रशासन ने की किसानों से शिविर का शत-प्रतिशत लाभ लेने की अपील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में एग्रीस्टैक में लंबित खसरा प्रविष्टि को पूर्ण करने हेतु 05 से 08 दिसंबर तक जिलेभर की सभी समितियों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बड़ी संख्या में किसानों के रकबे अपडेट नहीं हो पाए थे, जिसके चलते 45,187 खसरे यूएफ आर के लिए लंबित पाए गए हैं। कलेक्टर विलास भोसकर ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि इन शिविरों का उद्देश्य किसानों के सभी लंबित खसरों की समयबद्ध और शत-प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी पटवारियों,ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों,समिति प्रबंधकों और सीएससी कर्मियों को शिविर के दौरान अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

किसानों की सुविधा को ध्यान में रखकर लगाए जा रहे शिविर : इन चार दिवसीय शिविरों में किसान बिना किसी परेशानी के अपना एग्रीस्टैक स्त्रक्र करा सकेंगे। शिविरों में नमीकरण, खसरा सत्यापन, रेकॉर्ड सुधार और ऑनलाइन प्रविष्टि से संबंधित सभी कार्य एक ही स्थान पर किए जाएंगे,

ताकि किसानों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। ऑनलाइन प्रविष्टि को तेजी से पूरा करने के लिए समितियों में सीएससी केंद्रों और तकनीकी स्टाफ की भी विशेष व्यवस्था की गई है। तहसीलवार लंबित खसरा में लखनपुर 9635, उदयपुर 2540, मैनपाट 7435, दरिमा 3237, धौरपुर 9293, सीतापुर 5772, अंबिकापुर 2820, बतौली 4455 कुल 45,187 खसरा लंबित है कलेक्टर श्री भोसकर ने निर्देशित किया कि शिविर अवधि के भीतर सभी प्रविष्टियां पूरी कर ली जाएं, ताकि धान खरीदी और अन्य योजनाओं में किसानों को किसी प्रकार की बाधा न आए। जिला प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे अपने संबंधित समिति शिविर में पहुंचकर एग्रीस्टैक में लंबित स्त्रक्र जल्दी से जल्दी पूरा करवाएं।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यव्यापी शिक्षार्थी आंकलन महापरीक्षा 07 दिसम्बर को

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण,रायपुर के तत्वाधान में राज्यव्यापी शिक्षार्थी आंकलन महापरीक्षा अभियान का आयोजन 07 दिसम्बर 2025, रविवार को प्रातः10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक किया जाएगा। महापरीक्षा की तैयारियों को लेकर कार्यालय जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण,सरगुजा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण डॉ. दिनेश कुमार झा द्वारा की गई। उन्होंने सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं विकासखण्ड परियोजना अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि सरगुजा जिले के लिए 24414 परीक्षार्थियों को साक्षर करने का लक्ष्य निर्धारित है। समाज के सभी वर्गों से अपील की गई है कि वे अपने आसपास के ऐसे सभी शिक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल कराने में

सहयोग करें, जो उल्लास साक्षरता केन्द्रों के माध्यम से पढ़ना-लिखना सीख रहे हैं।

मॉनिटरिंग दल का गठन : कलेक्टर सरगुजा द्वारा जिला स्तर पर महापरीक्षा की निगरानी हेतु मॉनिटरिंग दल का गठन किया गया है। इनमें डॉ. दिनेश कुमार झा सम्पूर्ण जिला प्रभार,श्री के.सी. गुप्ता : विकासखण्ड बतौली,सर्वजीत पाठक लखनपुर,गिरीश गुप्ता अम्बिकापुर एवं सीतापुर,रविशंकर तिवारी उदयपुर,रमेश सिंह लुण्ड्रा,सुनिल तिवारी मैनपाटसाथ ही राज्य स्तर से लोक शिक्षण संचालनालय के अखिलेश तिवारी को भी सरगुजा जिले की मॉनिटरिंग का दायित्व सौंपा गया है।

जिले में 466 परीक्षा केन्द्र स्थापित : जिला परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता ने बताया कि जिले में 466 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। 200 घंटे की पढ़ाई पूर्ण करने वाले सभी शिक्षार्थी प्रातः 10 से सायं 5 बजे के बीच किसी भी समय परीक्षा देने आ सकते हैं। 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे शिक्षार्थियों को शामिल किया जाएगा,जो शिक्षा की मुख्यधारा से कटे हुए हैं या पूर्व में विद्यालय त्याग चुके हैं।परीक्षा केन्द्रों में पेन उपलब्ध कराया जाएगा। प्रश्न पत्र तीन भागों पढ़ना, लिखना,गणित-में विभाजित होगा। प्रत्येक भाग 50 अंकों का होगा एवं प्रत्येक में न्यूनतम 20 अंक अर्जित करना अनिवार्य है। प्रश्न हल करने के लिए 03 घंटे का समय दिया जाएगा। उन्होंने ग्राम प्रभारी शिक्षकों, स्वयंसेवकों,स्वयं सहायता समूहों एवं मितानिनों से अनुरोध किया कि वे सभी पात्र शिक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल कराने हेतु प्रेरित करें। राज्य स्त्रोत सदस्यों श्रीमती वंदना गुप्ता एवं अभिलाष खरे द्वारा पावर प्वाइंट प्रेज़ेंटेशन के माध्यम से महापरीक्षा अभियान का प्रशिक्षण दिया गया। कन्ट्रोल रूम की व्यवस्थासभी विकासखण्ड परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया है किअपने-अपने विकासखण्डों में कन्ट्रोल रूम स्थापित करें।परीक्षा दिवस में 11:30 बजे, 01:30 बजे एवं 03:50 बजे की रिपोर्टिंग जिला कन्ट्रोल रूम को भेजें।जिला कन्ट्रोल रूम प्रभारी रजनीश मिश्रा (मो. 8319860214) एवं अभिलाष खरे (मो. 7999183792) को सूचित करे। बैठक में बीपीओ कमलेश वर्मा, सत्यनारायण भगत,जय प्रकाश नारायण, प्राध्यापक लालचंद सिंह, एसआरजी श्रीमती वंदना गुप्ता,बीपीओ शहरी श्रीमती इंदू मिश्रा, श्रीमती शालिनी शर्मा, मनोज कुमार, अभिलाष खरे, रजनीश मिश्रा,किरण खलखो,महिमा तिर्की, बरियो मिंज, मीनू तिर्की, दुर्गावती सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

धान खरीदी में लूट-धांधली? रकबा कटौती से भड़के किसान,तहसील प्रांगण में हजारों की भीड़

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर तहसील प्रांगण शुक्रवार को किसानों की बुलंद आवाज से गूंज उठा.धान खरीदी केंद्रों में रकबा कटौती,ऑनलाइन टोकन की अव्यवस्था, सहकारी समितियों द्वारा किसानों से जबरन बोरी पलटी व छल्ली करवाने जैसी समस्याओं के विरोध में हजारों किसान एक दिवसीय धरने पर बैठे। किसानों ने साफ चेतावनी दी कि यदि छह दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ,तो उग्र आंदोलन की शुरुआत होगी। धरना कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस प्रदेश महामंत्री शिव भजन मरावी ने किया। इस दौरान विद्यासागर सिंह, जगतलाल आयाम,नवीन जायसवाल, इम्तियाज़ जफ़र,त्रिभुवन सिंह,संजीव श्रीवास्तव,छोटेलाल तिर्की,विजयनारायण कुशवाहा,सुमन प्रजापति,उमेश राजवाड़े, कमलेश राजवाड़े,बृजलाल, रामसुंदर मरकाम, जितेंद्र पैकरा,विफन रजक सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सरकार पर तीखा हमला : सभा को संबोधित करते हुए मरावी ने कहा कि बिष्णु देव साय सरकार की किसान-विरोधी नीतियों ने खेत-खलिहानों में संकट ला दिया है। धान रकबा कटौती और टोकन अव्यवस्था से किसान परेशान हैं।समितियों में किसानों से जबरन बोरी पलटी करवाना असंवेदनशील प्रशासन की पहचान है। मरावी ने चेतावनी दी–'6 दिनों में व्यवस्था नहीं सुधरी तो प्रतापपुर से सूरजपुर तक ऐसा आंदोलन उठेगा जिसे रोकना सरकार के बस में नहीं होगा।'

शशि सिंह के आगमन से बढ़ा किसानों का मनोबल : धरने के दौरान नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशि शशि सिंह भी किसानों के समर्थन में पहुंचीं। उन्होंने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है और उसके साथ हो रहा अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस हर स्तर पर किसानों की आवाज़ को मजबूती से उठाएगी और धान खरीदी केंद्रों में हो रही अव्यवस्था पर सरकार को जवाब देना पड़ेगा धरना स्थल से किसानों ने कलेक्टर सूरजपुर के नाम अनुविभागीय अधिकारी प्रतापपुर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। इसमें सभी धान खरीदी केंद्रों पर जबरन करवाए जा रहे बोरी पलटी और छल्ली कार्य को तत्काल बंद करने की मांग की गई है। किसानों ने कहा कि यह उनकी मेहनत और अधिकार का प्रश्न है, और यदि समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज होगा।

आत्मनिर्भर भारत महिला सम्मेलन तीनों विधानसभा में आज

मंत्री, सांसद और वरिष्ठ पदाधिकारी तीनों विधानसभा में करेंगे मार्गदर्शन, महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए सरगुजा भाजपा नेतृत्व ने किया आह्वान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भाजपा का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'आत्मनिर्भर भारत एवं एसआईआर-2025' को जन-जन तक पहुँचाने तथा महिलाओं की सक्रिय भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य से भाजपा सरगुजा महिला मोर्चा द्वारा प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर विधानसभा स्तरीय महिला सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। यह सम्मेलन 6 दिसम्बर को सरगुजा जिले की तीनों विधानसभा–अम्बिकापुर, लुंड्रा एवं सीतापुर–में एक साथ आयोजित होगा। अम्बिकापुर विधानसभा का कार्यक्रम उदयपुर स्थित पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह के निवास के पास, प्रातः 12:00 बजे से प्रारंभ होगा।

लुंड्रा विधानसभा में कार्यक्रम दोपहर 11:00 बजे होगा। तथा सीतापुर विधानसभा का सम्मेलन बतौली में दोपहर 1:00 बजे से प्रारंभ होगा। इन सम्मेलनों में मंत्री, सांसद, विधायक सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रमुख वक्ताओं के रूप में उपस्थित रहकर आत्मनिर्भर भारत और एसआईआर-2025 की रूपरेखा,उद्देश्यों तथा इससे महिलाओं को मिलने वाले भविष्य के अवसरों पर विस्तार से मार्गदर्शन देंगे। भाजपा का मानना है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल आर्थिक स्वावलंबन का संकल्प नहीं,बल्कि समाज की हर इकाई–विशेषकर महिलाओं–को सशक्त बनाने का राष्ट्रव्यापी आंदोलन है। वहीं एसआईआर-2025 विकास,नवाचार,कौशल उन्नयन एवं रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल है,जिसमें महिलाओं की भागीदारी को केंद्र में रखा गया है।

इस अवसर पर भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया एवं महिला मोर्चा सरगुजा की जिलाध्यक्ष श्रीमती फूलेश्वरी सिंह ने अपील की है कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे महिला सम्मेलनों में अधिक से अधिक महिलाएँ शामिल हो कर आत्मनिर्भरता के अभियान को गति प्रदान करें। उक्ताशय की जानकारी जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं श्रीमति अरुणा सिंह ने दी।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा ग्रामीण सड़क निर्माण का किया गया भूमिपूजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत आज ग्राम नवाटोला में सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों,विभागीय अधिकारियों तथा ग्रामीणों की उपस्थिति रही। इस योजना अंतर्गत तीन ग्रामों में सी.सी. सड़क सह नाली निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इसके अंतर्गत ओडगी नवाटोला मुख्य मार्ग से खालबहरा मार्ग तक 0.20 किमी सड़क निर्माण, लागत ?17.07 लाख,मेन रोड भंडारापारा से बगीचा तक 0.20 किमी सड़क निर्माण, लागत 17.07 लाख तथा देवलपारा से संतलाल तक सड़क निर्माण 0.50 किमी, लागत 40.23 लाख रुपए शामिल है। अतःकुल सड़क लंबाई 0.90 किमी और कुल स्वीकृत राशि 74.37 लाख है। इन सड़कों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को पक्की सड़क की सुविधा प्राप्त होगी तथा आवागमन में सुगमता आएगी। साथ ही वर्षभर बेहतर परिवहन व्यवस्था उपलब्ध होगी।

जशपुर जिले में शतरंज प्रतियोगिता हुई प्रारंभ,पहले चरण में 189 विद्यालयों के 3150 विद्यार्थी हुए शामिल

-संवाददाता-
जशपुरनगर,05 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तहत कलेक्टर रोहित व्यास और सीईओ अभिषेक कुमार के निर्देश पर विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने,खेल भावनाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले के हाई और हायर सेकंडरी विद्यालयों में दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित हुई। शतरंज के खेल को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर रोहित व्यास के द्वारा प्रारंभ की गई चेकमेट एट जशपुर कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में यह प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। जशपुर एसडीएम विश्वासराव मस्के जिले के आयोजन समिति के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में चल रही यह प्रतियोगिता सभी शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त हाई तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हो रही है।

प्रतियोगिता तीन चरणों में विद्यालय स्तर, विकासखंड स्तर और जिला स्तर पर आयोजित होनी है। विद्यालय स्तर पर 4 दिसंबर से प्रारंभ हुई प्रतियोगिता में दो दिनों में 189 विद्यालयों के 3150 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इन नॉकआउट प्रतियोगिताओं का फाइनल मैच सभी विद्यालयों में आज खेला गया। विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को विद्यालय में पुरस्कृत भी किया जाएगा। अगले चरण में विद्यार्थी विकासखंड स्तर पर मुकाबला करेंगे,विकासखंड स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता 6 दिसंबर से आयोजित होगी। विकासखंड स्तर पर विजेता, उपविजेता और क्वार्टर फाइनल खेलने वाले विद्यार्थी 10 दिसंबर को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

पत्थलगांव एसडीएम ऋतुराज सिंह बिसेन जिला स्तरीय प्रतियोगिता पथलगाँव के आयोजन समिति के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

इनके मार्गदर्शन में 10 दिसंबर को पत्थलगांव में भव्य रूप से जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होनी है। इस प्रतियोगिता में विजयी होने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा ।

अवैध शराब के परिवहन पर की गई कार्यवाही

17.64 लीटर अवैध विदेशी शराब सहित मोटरसायकल जब्त

-संवाददाता-
बलरामपुर,05 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

राजेन्द्र कटारा के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी श्री एस.एन साहू के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के भंडारण एवं परिवहन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग द्वारा जिले के थाना बसंतपुर के अंतर्गत 01 प्रकरण पर कार्यवाही करते हुए अवैध विदेशी शराब जब्त किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया है कि थाना बसंतपुर के अंतर्गत ग्राम बाजरा में दशरथ सरूता के

द्वारा अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा था।

सूचना के आधार पर जांच में उसके पास से 17.64 लीटर अवैध विदेशी शराब (उत्तर प्रदेश राज्य में विक्री हेतु) एवं एक मोटरसायकल जब्त किया गया। उक्त आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अपराध प्रकरण कायम कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। जिला आबकारी अधिकारी श्री साहू ने बताया है अवैध शराब के निर्माण, विक्रय,परिवहन तथा सार्वजनिक जगहों पर मदिरापान और राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्गों के किनारे संचालित होटल,ढाबा में शराब रखने, पीने एवं पिलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। साथ ही आबकारी अधिकारी ने बताया है कि अवैध मदिरा के संबंध में आबकारी नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर 07831-299241 एवं टोल फ्री नम्बर 14405 पर सूचित किया जा सकता है।

एकलव्य विद्यालय पोड़ीडीह के करोड़ों के भ्रष्टाचार की जांच फाइल आज भी लापता...फाइल किस जिले में है...स्पष्ट नहीं

आज आदिवासी के घर टूटने पर चिल्लाने वाले नेता...क्या उनके ही प्रभावशाली पिता पर आदिवासी बच्चों के हक लूटने के आरोप नहीं थे?

- कांग्रेस सरकार में कार्यवाही क्यों नहीं हुई...क्या राजनीतिक संरक्षण ढाल बन गया था?
- भाजपा शासन में फाइल खोज शुरू, पर दस्तावेज अब तक नहीं मिले।
- फाइल मिलेगी या नहीं,कार्यवाही होगी या नहीं...यह बड़े सवाल अब भी हवा में तैर रहे हैं।
- 2018 से 2021 तक जमकर हुआ घोटाला... 2021 में जांच पूरी...पर फाइल अब लापताःसूत्र

-न्यूज डेस्क-

कोरिया/एमसीबी,05 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। अविभाजित कोरिया जिले में सरकारी फाइलें गायब होना कोई नई बात नहीं है,लेकिन इस बार मामला बेहद गंभीर है,एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में 2018 से 2021 के बीच हुए करोड़ों के भ्रष्टाचार की जांच फाइल ही गायब हो गई है, 29 जून 2023 को दैनिक घटती-घटना ने पूरे मामले को उजागर किया था...लेकिन आज तक न कार्यवाही हुई...न फाइल का कोई पता है...कोरोना में विद्यालय बंद...छात्र नहीं...फिर भी खरीदारी करोड़ों में हुई थी, इसी घोटाले की जांच 2021 में एसडीएम स्तर पर हुई थी और भ्रष्टाचार की पुष्टि भी हुई थी, लेकिन आज न जांच रिपोर्ट मिल रही है...न फाइल का लोकेशन पता है...और न किसी अधिकारी पर कार्यवाही का नामोनिशान ...फाइलों को पर लग गए या उड़ाई गई? सरकारी गलियारों में बड़ा सवाल जांच फाइल किस टेबल से किस टेबल तक गई, और आखिर गायब कहां हो गई? जिला प्रशासन पूरी तरह निरुत्तर है। एकलव्य आवासीय विद्यालय पोडीडीह, खड़गवां में वर्ष 2018 से 2021 तक करोड़ों की खरीदी में हुए भ्रष्टाचार की जांच 2021 में पूरी हो चुकी है, पर कार्यवाही आज तक नहीं हुई,जांच प्रतिवेदन में अनियमितताओं की स्पष्ट पुष्टि हुई विद्यालय बंद था,छात्र नहीं थे, फिर भी बड़ी मात्रा में खरीदी दर्ज की गई, क्रय समिति के सदस्यों ने बयान दिया कि उन्हें समिति में शामिल होने की जानकारी तक नहीं थी,और कई बयानों में दबाव डालकर हस्ताक्षर कराने की बात सामने आई,छात्रावास निरीक्षण में गद्दों से लेकर यूनिफॉर्म, खेल सामग्री, शौचालय और बेसिक सुविधाओं में भारी गड़बड़ियां मिलीं,तत्कालीन प्राचार्य जो स्वयं विकासखंड शिक्षा अधिकारी थे, जांच में संदिग्ध पाए गए,पर राजनीतिक संरक्षण के कारण कार्यवाही लंबित है,जांच रिपोर्ट उस समय के वर्तमान कलेक्टर के पास थी पर आज कहां है,पता नहीं है, मगर यह फाइल मिलेगी या नहीं आगे बढ़ेगी या ठंडे बस्ते में जाएगी अब बड़ा सवाल है।

राजनीतिक पहुँच का सहारा या सिस्टम की लाचारी?

सूत्रों का दावा है कि तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी सह प्राचार्य सत्ताधारी दल के प्रभावशाली लोगों के निकट बताए जाते हैं,और उनके घर के सदस्य भी सक्रिय राजनीति में हैं, जांच में अनियमितताओं की पुष्टि के बावजूद ना निलंबन, ना एफआईआर,ना विभागीय दंड इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि क्या राजनीतिक संरक्षण की छतरी भ्रष्टाचारियों को बचा रही है?

आदिवासी का घर टूटा तो दर्द? पर आदिवासी बच्चों का हक लुटा था... तब चुप क्यों थे कांग्रेस के नेता?

आज कांग्रेस के वही नेता आदिवासी परिवारों के घर टूटने पर मंच से आक्रोश बरसा रहे हैं,लेकिन सवाल बड़ा है क्या इसी आदिवासी समाज के बच्चों के हक पर डाका डालने के आरोप उनके ही परिवार पर नहीं लगे थे? एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह भ्रष्टाचार मामले में आरोप उसी नेता के तत्कालीन प्रभावशाली पिता पर जांच प्रतिवेदन में आए थे,क्या कांग्रेस सरकार में उनकी पकड़ की वजह से ही वह पूरे मामले में बच गए? यदि आज आदिवासियों के लिए इतनी'पीड़ा'महसूस होती है,तो जब आदिवासी बच्चों की मूल सुविधाएँ लूटी जा रही थीं,तब दर्द कहाँ था? राजनीति का यह ढोंग कब तक? जनता अब समझ चुकी है मंच पर भावनाएँ दिखाना आसान है,पर जब कार्यवाही करनी थी तब फाइलें ही गायब हो गई,और यह विडंबना देखिए एकलव्य विद्यालय भ्रष्टाचार की वही जांच फाइल आज तक खोजी जा रही है,फाइल किस जिले में है? कोरिया या एमसीबी स्वयं प्रशासन भी स्पष्ट नहीं! जांच अविभाजित कोरिया जिले में हुई थी, बाद में क्षेत्र एमसीबी जिले में चला गया,विशेष सूत्रों के अनुसार फाइल को एमसीबी भेजा गया था या नहीं, इसका अब तक कोई सटीक रिकॉर्ड नहीं।

दैनिक घटती-घटना फाइल गुम होने की पुष्टि नहीं करता...

आज स्थिति यह है की कोरिया जिले में फाइल नहीं मिल रही है, एमसीबी जिले में भी फाइल है या नहीं,इसका स्पष्ट उत्तर नहीं, शासन प्रशासन की टीम फाइल ढूंढ रही है,पर फाइल अब तक लापता,दैनिक घटती-घटना फाइल गुम होने की पुष्टि नहीं करता, पर फाइल की खोज तेज चल रही है यह बात पक्के सूत्रों से सामने आई है,भाजपा शासन में फाइल मिलेगी या नहीं? कार्यवाही होगी या नहीं? आज भाजपा सरकार में इस फाइल को ढूंढने की प्रक्रिया फिर शुरू हुई है,लेकिन यह फाइल मिलेगी भी या नहीं? मिलेगी तो खुलेगी? खुलेगी तो कार्रवाई होगी? या यह भी पिछली सरकार की तरह किसी टेबल पर गायब करके छोड़ दिया जाएगा? यह सारे सवाल अब समय के गर्भ में हैं।

भाजपा सरकार में खोज शुरू...पर परिणाम अनिश्चित

फाइल ढूंढी जा रही है,पर अब तक नहीं मिली। मिलेगी तो खुलेगी? खुलेगी तो कार्यवाही होगी? या यह फाइल भी उन मामलों में जुड़ जाएगी जो सत्ता बदलने के बाद भी सिर्फ खोज का विषय बने रहते हैं?

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में करोड़ों का खेल?

2018 से 2021 तक खरीदी में जमकर भ्रष्टाचार,जांच में पुष्टि... फिर भी कार्रवाई का इंतज़ार,भ्रष्टाचार अब प्रदेश की व्यवस्था में ऐसे घुल चुका है मानो कैंसर हो गया हो। शिक्षा के मंदिर भी इसकी मार से अछूते नहीं बचे। ऐसा ही एक मामला एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह,खड़गवां से जुड़ा है, जहाँ वर्ष 2018 से 2021 के बीच खरीदी के नाम पर करोड़ों की अनियमितताओं के आरोप लगे हैं, शिकायत पर हुई एसडीएम राजस्व खड़गवां स्तर की जांच में भ्रष्टाचार की पुष्टि हो चुकी है, लेकिन अब तक किसी जिम्मेदार पर कार्यवाही नहीं हुई,कोरोना में हॉस्टल बंद,फिर भी जमकर खरीदी,एकलव्य विद्यालय आदिवासी विद्यार्थियों के लिए संचालित एक महत्वाकांक्षी आवासीय योजना है। मगर आरोप है कि कोरोना काल में जब विद्यालय व छात्रावास बंद थे,छात्र उपस्थित ही नहीं थे,तब भी जमकर खरीदी दिखाई गई,तत्कालीन प्राचार्य,जो उसी समय विकासखंड शिक्षा अधिकारी भी थे,के कार्यकाल में यह सारी खरीदी हुई। जांच प्रतिवेदन के अनुसार,उन्हीं के कार्यकाल में खरीदी प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं पाई गई।

क्रय समिति में नाम तो है,पर हमें पता ही नहीं था...

जांच के दौरान विद्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों और क्रय समिति सदस्यों के बयान दर्ज किए गए,कई महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए कई कर्मचारियों ने बयान दिया कि उन्हें यह तक नहीं मालूम था कि वे क्रय समिति के सदस्य हैं,समिति की कभी बैठक नहीं हुई,रजिस्टर और फाइलों में दबाव बनाकर हस्ताक्षर कराए गए,एक चौकीदार ने तो यह तक कहा कि क्रय रजिस्टर में किया गया हस्ताक्षर उसका है ही नहीं,ग्राम पंचायत पोड़ीडीह के सरपंच का भी कहना है कि उन्हें क्रय समिति में सदस्य बनाए जाने की जानकारी कभी नहीं दी गई, केवल'सामग्री सत्यापन' के नाम पर रजिस्टर व लिफाफों में हस्ताक्षर कराए गए, जबकि व्यय की राशि तक दर्ज नहीं थी।

आदिवासी हित पर आँसू पर आदिवासी बच्चों के हक पर चुप्पी क्यों?

आज कांग्रेस नेता मंच पर दर्द दिखा रहे हैं,पर उसी आदिवासी समाज के बच्चों का हक लुटा था तब आवाज क्यों नहीं उठी? उनके ही पिता पर आरोप थे...क्या यही वजह थी कि जांच आगे नहीं बढ़ी?

फाइल किस जिले में है कोरिया या एमसीबी? किसी को खबर नहीं...

अविभाजित कोरिया में जांच शुरू,फिर क्षेत्र एमसीबी जिले में चला गया, आज की स्थिति में दोनों जिलों में फाइल का कोई पक्का रिकॉर्ड नहीं,जांच प्रतिवेदन, दस्तावेज...सब खोज में।

जांच में उजागर अनियमितताएँ... कागज में खरीदी,जमीन पर गायब...

सूत्रों से मिले दस्तावेजों और जांच प्रतिवेदन के अनुसार पिछले 5 वर्षों में 310 गद्दों की खरीदी दर्शाई गई, पर भौतिक सत्यापन में केवल 196 नए गद्दे मिले,छात्रावास का हाल पुराने गद्दे,मटमैली चादरें, बदबूदार कमरे, गंदे शौचालय,टूटा वॉश बेसिन व ड्रेनेज पाइप, बच्चों के लिए खरीदी गई कैरम-चेस जैसी इनडोर गेम सामग्री कागजों में,पर बच्चे फटी हुई पुरानी फुटबॉल से खेलते मिले,स्कूल यूनिफॉर्म 2 सेट देने का प्रावधान,मगर कई छात्र-छात्राओं को सिर्फ 1 सेट दिया गया, प्रति छात्र 2 तौलिया का प्रावधान, पर 1 ही तौलिया मिलने की बात सामने आई,जांच अधिकारी जब छात्रावास पहुंचे तो ऑटोमेटिक शू-पॉलिशर मशीन और एग-बॉयलर मशीन परिसर में मिली ही नहीं, जबकि कागजों में उनकी खरीदी दर्ज थी,कई रजिस्टर,स्टॉक पंजी, मेस पंजी,उपस्थिति पंजी,खरीदी विवरण पंजी आदि या तो प्रभार के समय दिए ही नहीं गए,या अधूरे/संदिग्ध स्थिति में मिले।

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर, गुरुवार 29 जून 2023 | 5

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोडीडीह खड़गवां में वर्ष 2018 से 2021 तक

जमकर हुआ भ्रष्टाचार,जांच में भ्रष्टाचार की पुष्टि पर कार्यवाही का इंतजार

फाइल अब नवीन कलेक्टर के पास-कार्यवाही या ठंडा बस्ता?

जानकारी के अनुसार,पूरी जांच रिपोर्ट और संबंधित दस्तावेज नवगठित जिले के कलेक्टर,एमसीबी के समक्ष प्रस्तुत हुआ था अब पूरा मामला इस सवाल पर अटका था की क्या नए कलेक्टर रिपोर्ट के आधार पर कठोर कार्यवाही करेंगे पर इसका जवाब समय के साथ मिला की नहीं क्योंकि कार्यवाही हुई नहीं कांग्रेस नेता के पिता होने की वजह से राजनीतिक दबाव के चलते यह फाइल भी किसी अलमारी में धूल फांकती होगी या गुम होने की कगार पर होगी?

शिक्षा के मंदिर में सेंध...आदिवासी बच्चों के अधिकारों पर वार

एकलव्य आवासीय विद्यालय आदिवासी समुदाय के बच्चों को सुविधाजनक आवास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था, लेकिन जांच से सामने आई तस्वीर यह बताती है कि जो व्यवस्था बच्चों को सुरक्षा और सुविधा देना चाहती थी, वहीं उनके हक पर डाका डालने का माध्यम बन गई, गद्दों, यूनिफॉर्म, खेल सामग्री, बुनियादी सुविधाओं तक में कटौती कर, कागज़ पर खरीदी दिखाकर भ्रष्टाचार किया गया।

397 बोरी अवैध धान जब्त अवैध धान परिवहन एवं भण्डारण पर प्रशासन की सतत निगरानी

-संवाददाता-

बलरामपुर,05 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। जिले में अवैध धान खपाने के प्रयासों पर अंकुश लगाने प्रशासन लगातार सतर्क है। और कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में अवैध धान के परिवहन भंडारण पर सतत निगरानी रखते हुए कार्यवाही की जा रही है।

मोटरसायकल पर लाया जा रहा अवैध धान जब्त : अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम ने एक अनोखे तरीके से की जा रही अवैध धान पर कार्यवाही की है। टीम ने ग्राम सनावल के जंगल क्षेत्र से 10 मोटरसाइकिलों के सहारे लाए जा रहे 30 बोरी अवैध धान जब्त किया। तहसीलदार आई.सी. यादव ने बताया कि उत्तरप्रदेश के कुछ लोग जिले में धान खपाने का नया तरीका अपनाते हुए मोटरसाइकिलों के माध्यम से धान ला रहे थे। ताकि जांच-निगरानी से बचा जा सके। जिसे कुछ दूर पीछा कर रोक कर पूछताछ किया गया। पूछताछ में उत्तरप्रदेश से धान लाना बताया गया। तत्पश्चात 30 बोरी अवैध धान के साथ मोटरसाइकिल जब्त कर थाना सनावल को सुपुर्द कर दिया गया है।

अपर कलेक्टर के नेतृत्व में 114 बोरी अवैध धान को जब्त : जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में अपर कलेक्टर आर.एन. पाण्डेय द्वारा लगातार दौरा किया जा रहा है। आज अपर कलेक्टर पाण्डेय के निरीक्षण के दौरान 114 बोरी अवैध धान भण्डारण की सूचना मिली। गोपनीय सूचना प्राप्त होने पर अपर कलेक्टर पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने ग्राम चांदो में मौके पर श्री रामविलास के घर पर पहुंचे जहां अवैध रूप से बिक्री हेतु संग्रहित 114 बोरी धान पाया गया। जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सम्पूर्ण धान को जब्त किया गया। इसी प्रकार ग्राम नवाडीह कला में दुर्गेश गुप्ता के द्वारा 13 बोरी धान क्रय किया जा रहा था उक्त धान के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर जब्ती की कार्यवाही की गई है।

धान उपार्जन केंद्र भेण्डरी में 240 बोरी अवैध धान जब्त : विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत धान उपार्जन केंद्र भेण्डरी में रामकुमार के द्वारा 240 बोरी धान बेचने हेतु लाया गया था।

जांच के दौरान पाया गया कि उक्त धान अवैध रूप से भंडारित कर धान उपार्जन केंद्र में लाया गया है। जिस पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व देवेन्द्र प्रधान के मार्गदर्शन में तहसीलदार श्रीमती कावेरी मुखर्जी के द्वारा कार्यवाही करते हुए जब्ती की कार्यवाही की गई है।

अवैध तरीके से युवती को खरीद बिक्री करने वाले 02 मुख्य आरोपी गिरफ्तार

घटना के बाद से लगातार फरार थे दोनों आरोपी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,05 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 19.11.25 को शादी पार्टी में काम करने के बहाने पीड़िता को उसकी सहेली अलका ने शादी पार्टी में काम करने पत्थलगांव ले जाने के बहाने उज्जैन में ले जाकर बेच दिया था जो प्रार्थिया की रिपोर्ट पर दिनांक 26.11.25 को थाना मणिपुर में अपराध क्रमांक 323/2025 धारा 143 (2),187,3(5) बी एन एस 140 (3) 142,144, (2)64 2डी बी एन एस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान प्रकरण के आरोपी का पता हेतु उज्जैन पुलिस टीम रवाना की गई। जहां उज्जैन में भंवर सिंह के कब्जे से पीड़िता को बरामद कर उसके अन्य साथी मुकेश को गिरफ्त कर रिमांड पर भेजा गया था एवं प्रकरण में 02 आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार थे। मणिपुर पुलिस टीम फरार आरोपियों की सरगर्मी से पता तलाश कर रही थी। दिनांक 05/12/2025 पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना पर

आरोपी 1 अशोक परमार पिता चुन्नीलाल परमार 30 भान बड़ोदिया पोस्ट ताजपुर थाना घटिया जिला उज्जैन (म.प्र.) एवं अन्य महिला आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जिसने घटना करना स्वीकार किया कि जो अपराध सबूत पाए जाने पर दोनों आरोपियों को गिरफ़्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजी गई। आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी मणिपुर निरीक्षक अश्विनी सिंह, सहायक उप निरीक्षक शौखी लाल, आरक्षक सत्येंद्र दुबे की मुख्य भूमिका रही।

क्या कांग्रेस शासन में लगाई गई प्रतिमा 'कोरिया कुमार' की पहचान से मेल नहीं खाती?

एआई ने प्रतिमा को 'चलते-बोलते' दिखाया...लोग पूछ रहे...क्या यही तकनीक का उपयोग है?

प्रतिमा की साल में सिर्फ दो बार सफाई...क्या महान नेताओं के सम्मान में इतनी लापरवाही ठीक?

क्या किसी भी दिन माल्यार्पण कर राजनीतिक सहानुभूति बटोरी जा सकती है?

विवाद की जड़ः प्रतिमा की पहचान, रखरखाव और राजनीतिक उपयोगः

पूरा मामला तीन मुख्य सवालों पर आ टिकता है

सवालः क्या प्रतिमा वास्तविक चेहरे से मेल नहीं खाती?

सवालः क्या नगर पालिका इसे सम्मानजनक हालत में रखने में विफल रही है?

सवालः क्या राजनीतिक लाभ के लिए प्रतिमा का उपयोग किया जा रहा है?

-रवि सिंह-

कोरिया/बैकुंठपुर,05 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कांग्रेस शासन में स्थापित कोरिया चौक की प्रतिमा एक बार फिर सवालों के घेरे में है, शहरवासियों का कहना है कि यह प्रतिमा स्वर्गीय डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव 'कोरिया कुमार' की वास्तविक छवि से मेल नहीं खाती, सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं, आखिर यह प्रतिमा किसकी है? इधर,प्रतिमा का एआई से बनाया गया चलने-बोलने वाला वीडियो वायरल होने के बाद बहस और तेज हो गई है, लोग कह रहे हैं कि तकनीक का दुरुपयोग कर एक गलत पहचान को सही दिखाने की कोशिश हो रही है,प्रतिमा की स्थिति भी चिंताजनक है,नागरिकों के अनुसार चौक की यह पहचान वर्षभर धूल और गंदगी में ढकी रहती है, और साल में केवल दो बार सफाई होती है,सवाल उठ रहा है क्या ऐसे महान नेता की प्रतिमा के साथ यह व्यवहार उचित है? हाल ही में कांग्रेस नेताओं द्वारा बिना किसी विशेष अवसर (जयंती/पुण्यतिथि) के माल्यार्पण करने पर भी चर्चा गर्म है, लोगों का कहना है कि क्या प्रतिमा का

उपयोग राजनीतिक सहानुभूति बटोरने के लिए हो रहा है?

बता दे की कोरिया जिले में स्वर्गीय डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव की छवि किसी से छुपी नहीं है,इनकी कुशल राजनीति व वेदांत छवि इन्हें किसी जमाने में अच्छा राजनेता बनाती थी और आज भी वही छवि लोगों के मन में है,और कोरिया कुमार लोगों के मन में विद्यमान हैं, जब भी राजनीति की बात आती है तो कोरिया कुमार का नाम न लिया जाए यह मुमकिन नहीं है,पर कोरिया कुमार जब जीवित थे उनकी कुशल राजनीति लोगों को पसंद थी,वह अभी तक के ऐसे नेता थे जिन्होंने चुनाव में पराजय हासिल नहीं की, जब भी चुनाव लड़ा वह अपराजित ही रहे, यही वजह है कि आज वह भले ही नहीं हैं पर आज लोगों व राजनीति में अमर हैं, पर ऐसी शख्सियत के नाम पर जब राजनीति निम्न स्तर की होने लगे तो सवाल उठना लाजिमी है कोरिया कुमार के नाम से बैकुंठपुर शहर का मध्य चौक कांग्रेस शासनकाल में घड़ी चौक से बदलकर कोरिया कुमार चौक बना, यहां पर स्वर्गीय कोरिया कुमार की एक प्रतिमा रखी गई, स्थापित प्रतिमा में कहीं से भी उनकी छवि नहीं दिखती है यही वजह है कि आज शहर में लोगों का यह सवाल है कि आखिर यह प्रतिमा किसकी है,क्योंकि इस प्रतिमा का जब भी जिक्र होता है तो यह बताया जाता है कि यह कोरिया कुमार चौक है और यह कोरिया कुमार की प्रतिमा है, यहां पर कई बार कांग्रेसियों ने कई कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं और यह चौक उस समय बनाया गया जब उनकी भतीजी खुद विधायक थी और उन्हीं के नेतृत्व में इसका लोकार्पण हुआ पर आज लोकार्पण के कई साल बाद यह बात उठ रही है और लोग एआई के माध्यम से वीडियो उस प्रतिमा की बनाकर यह पूछ रहे हैं कि यह प्रतिमा किसकी है, एआई ने जहां कोरिया कुमार को बोलना और चौक से चलता हुआ दिखा दिया उस पर भी यह सवाल है कि आखिर क्या यह प्रयोग सही है।

गंदी प्रतिमाएँ...और हमारी गंदी आदतें

देश और प्रदेश के हर शहर में महान नेताओं,स्वतंत्रता सेनानियों और वीर पुरुषों की प्रतिमाएँ चौक-चौराहों की पहचान होती हैं, लेकिन सच यह है कि इन प्रतिमाओं की असल स्थिति देखकर अक्सर शर्म आ जाती है, धूल, काई, जाले और गंदगी की मोटी परतें उस महान व्यक्तित्व के चेहरे को ही ढँक देती हैं...जिनके नाम पर चौक की पहचान बनी है, सवाल साफ है क्या महान नेताओं की प्रतिमाएँ सिर्फ नाम के लिए हैं? क्या उनकी सफाई और सम्मान की जिम्मेदारी कोई नहीं लेना चाहता? लोगों की मानसिकता बन चुकी है कि प्रतिमाएँ तो गंदी ही रहेंगी, और प्रशासन की यही पुरानी आदत है कि जिम्मेदार अपने कर्तव्य से बच निकलते हैं, लेकिन क्या यह स्वीकार्य है? क्या ऐसे अधिकारियों और जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए जो सार्वजनिक स्मारकों को सम्मान देने में लगातार असफल साबित होते हैं? हमारे देश के नेताओं, स्वतंत्रता सेनानियों और महान व्यक्तियों की प्रतिमाओं का गंदा रहना सिर्फ सफाई का मुद्दा नहीं यह समाज के चरित्र का आईना है, चौक-चौराहों पर लगे स्मारक देश की विरासत होते हैं और विरासत का अपमान, राष्ट के सम्मान का अपमान है, क्या यह शोभा देता है कि हम अपने प्रेरणास्त्रोतों को इस हाल में छोड़ दें? या फिर समय आ गया है कि प्रशासन, जनप्रतिनिधि और नागरिक...सभी मिलकर तय करें कि सम्मान सिर्फ भाषणों में नहीं, व्यवहार में भी दिखना चाहिए।

किसकी प्रतिमा है... और किसकी राजनीति?

बैकुंठपुर का कोरिया चौक सिर्फ एक ट्रैफिक पॉइंट नहीं है, यह उस नेता की स्मृति का प्रतीक है, जिसने अपनी सहजता, विनम्रता और राजनीतिक कौशल से पूरे क्षेत्र में सम्मान कमाया स्व. डॉ. रामचंद्र सिंहदेव 'कोरिया कुमार', लेकिन जिस प्रतिमा के सहारे हम उनकी याद सहेजना चाहते थे, वही प्रतिमा आज शहर की आंखों में सवाल बनकर खड़ी है।

माल्यार्पण पर भी उठा सवालःक्या किसी भी दिन माला चढ़ा देना उचित है?

कुछ दिनों दो दिसम्बर को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष,नेता प्रतिपक्ष और अन्य नेताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया था, इसके बाद नया सवाल उठा की क्या यह उनकी जयंती या पुण्यतिथि थी? यदि नहीं तो फिर क्या यह केवल राजनीतिक सहानुभूति बटोरने की कोशिश थी? क्या परिवारजन की भावनाओं का राजनीतिक उपयोग किया गया?

प्रतिमा की सफाई भी सवालों के घेरे में 'साल में दो बार झाड़-पोंछ'

स्थानीय लोग बताते हैं कि प्रतिमा पर वर्षभर धूल जमा रहती है, साल में मुश्किल से दो बार सफाई होती है वह भी औपचारिकता के तौर पर, लोग पूछ रहे क्या ऐसे महान नेता की प्रतिमा का गंदा रहना जिले के सम्मान के अनुरूप है? जिम्मेदार अधिकारी और नगर पालिका कब जागेगी? क्या शहर के चौक-चौराहों में लगी प्रतिमाओं के रखरखाव पर कोई नीति है? जब हम रोज नहाते हैं,अपने घरों को रोज साफ करते हैं... तो चौक-चौराहों पर खड़े महापुरुषों की प्रतिमाओं की रोज सफाई क्यों नहीं होती?

पहला सवालःक्या यह प्रतिमा सच में कोरिया कुमार की है?

क्योंकि चेहरे की समानता ना होना सिर्फ कलात्मक भूल नहीं, बल्कि उस जननेता के व्यक्तित्व से न्याय न कर पाने की विफलता है। जब जनता पहचान ही न सके कि प्रतिमा किसकी है, तो यह स्मारक भावनाओं का नहीं,उपेक्षा का प्रतीक बन जाता है।

दूसरा सवालःएआई से प्रतिमा को चलाना-बोलाना क्या सम्मान है या राजनीति?

हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर एक एआई वीडियो वायरल हुआ जिसमें प्रतिमा को चलते-बोलते दिखाया गया,लोगों ने यह भी सवाल उठाए क्या प्रतिमा की आलोचना से बचने के लिए इसे एआई के सहारे ग्लोरिफाई किया गया? क्या दिवंगत नेताओं की छवियों को डिजिटल रूप से बदलकर राजनीति करने का दौर शुरू हो गया है?

तीसरा सवालःधूल से ढकी प्रतिमा, गंदे चौक और दो बार की औपचारिक सफाई...

क्या यहीं तक सिमट गया है हमारा सम्मान? महान नेताओं की प्रतिमाएं केवल पत्थर की मूर्तियां नहीं होतीं, वे समाज की कृतज्ञता और संस्कृति का प्रतीक होती हैं, उनकी उपेक्षा, हमारी उपेक्षा है।

और आखिरी सवालःक्या किसी भी दिन माल्यार्पण कर देना राजनीतिक अवसरवाद नहीं?

जब श्रद्धांजलि भी कैलेंडर देखकर न दी जाए,तो वह श्रद्धांजलि नहीं, रणनीति लगती है,कोरिया कुमार की प्रतिमा आज दर्पण बन गई है जो हमें दिखा रही है कि हम इतिहास को याद करने में नहीं,उसे उपयोग करने में अधिक रुचि ले रहे हैं,सवाल प्रतिमा का नहीं है... सवाल है सम्मान का,सवाल है हमारी नीयत का,और सवाल है क्या हम नेताओं को याद करते हैं, या सिर्फ उनके नाम से राजनीति करते हैं?

बैगा परिवारों के मकान ढहाए जाने पर सियासी तूफ़ानःदीपक बैज बोले यह अमानवीयता है...दोषियों को चैन से नहीं रहने देंगे

दूसरी लड़ाई... आदिवासी अधिकारों की लड़ाई

बैगा परिवारों के मकान तोड़ने की घटना ने न सिर्फ मानवता पर चोट की है, बल्कि शासन की कठोरता को भी उजागर किया है, जब प्रदेश अध्यक्ष कहते हैं अधिकारियों के घर तक धरना देंगे तो यह सिर्फ बयान नहीं, बल्कि आने वाली राजनीतिक रणनीति का खाका है, कांग्रेस कोरिया में अपनी पकड़ दो स्तर पर मजबूत करना चाहती है संगठनात्मक पकड़ और नैरेटिव की पकड़, एक तरफ मतदाता सूची शुद्धीकरण, दूसरी तरफ आदिवासी अधिकारों पर तीखी राजनीति यह संयोजन 2028 के लिए एक आक्रामक कांग्रेस का संकेत देता है, आज कोरिया में जो तस्वीर बनी, बैठक की रणनीति और बैगा परिवारों की त्रासदी वह कांग्रेस को भावनात्मक और संगठनात्मक, दोनों मोर्चों पर मजबूत मंच प्रदान करती है, राजनीति में कई बार एक दिन, एक घटना, एक तस्वीर पूरे समीकरण बदल देती है, कोरिया में बैज का यह दौरा ऐसी ही घटना साबित हो सकता है।

पीड़ित बैगा परिवारों की व्यथा

परिवारों ने बताया वर्षों से रहने के बाद अचानक उजाड़ दिया गया, किताबें, कापियां, पंखा, अलमारी सब खुले में फेंक दिया गया, बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, महिलाओं को रात भर बाहर रहना पड़ा, न पानी, न भोजन, न छत कुछ भी उपलब्ध नहीं कराया गया

-राजेन्द्र शर्मा-

एमसीबी/खड़गवां,05 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। संरक्षित बैगा जनजाति के परिवारों के मकान प्रशासन द्वारा गिराए जाने की घटना पर प्रदेशभर में आक्रोश है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज गुरुवार को स्वयं खड़गवां पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की, मौके का निरीक्षण करने के बाद बैज ने कार्रवाई को क्रूर,अमानवीय,असंवैधानिक और राक्षसी मानसिकता बताया,राष्ट्रपति को भी लिखेंगे पत्र बैगा जनजाति राष्ट्रपति की दत्तक पुत्र है,बैज ने कहा कि बैगा जनजाति को संविधान में विशेष सुरक्षा मिली है और यह घटना न केवल कानून

का उल्लंघन, बल्कि मानवता पर हमला है। उन्होंने कहा हम इस घटना की जानकारी राष्ट्रपति महोदय को देंगे। बैगा जनजाति पर अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,बैज की चेतावनी दिया कहा जिन अधिकारियों ने घर तोड़े, उन्हें चैन से नहीं रहने देंगे, बैज ने तीखा बयान दिया कि,पीड़ितों को पुनर्वास नहीं मिला,वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, बच्चों-महिलाओं को खुले आसमान के नीचे छोड़ दिया गया, बिना नोटिस,बिना बातचीत,बिना मानवता के मकान ढहाए गए, उन्होंने कहा कि यदि न्याय नहीं मिला तो कांग्रेस अधिकारी गृहों के बाहर धरना देगी।

कांग्रेस की मांगः मुआवजा,पुनर्वास,दोषियों पर कार्रवाई...

कांग्रेस ने प्रशासन को ज्ञापन देकर कहा तुरंत राहत और अस्थायी आवास प्रदान किए जाएं,क्षतिग्रस्त मकानों का पूरा मुआवजा मिले, जिन अधिकारियों ने बिना प्रक्रिया के कार्रवाई की,उन पर दंडात्मक कदम उठाए जाएँ,घटना की उच्च स्तरीय जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए, बैज ने कहा यह केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं,बल्कि न्याय और मानवता की लड़ाई है,बैगा समाज छत्तीसगढ़ का गौरव है। इनके साथ अन्याय हुआ तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

घटती-घटना घटती-घटना घटती-घटना

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 93401 54656, 98265-32611

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

जल संसाधन संभाग,बैकुण्ठपुर,जिला - कोरिया (छ. ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 180936 निविदा सूचना क्र. 13 / वलेलि / 2025-26,दिनांक 02.12.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 19.12.2025, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - गेज मध्यम परियोजना के आर.बी.सी. मुख्य नहर के आर.डी. 0 मी. से 7000 मी. तक लाईनिंग कार्य।
अनुमानित लागत - रू. 418.83 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 09.12.2025, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट :-
1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022)

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार,
4/ जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर,(छ.ग.)

जी नंबर-252605206/3

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 26/11/2025

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम- रजपुरी
तहसील - लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका हेमवती आ0 स्व0 जितेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम रजपुरी तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (माता स्व0 फुलबसिया की मृत्यु दिनॉक 16.9.2003 को हो जाने से (जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म रजि0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण - पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 16/12/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 16/12/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

(सील) तहसीलदार
लखनपुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक संस्था उद्यानिकी महाविद्यालय सिलफिली सूरजपुर के द्वारा ग्राम झॉसी मे स्थित भूमि खसरा नम्बर 1006, 1081, 1082, 1083, 1084, 1162/2, 1129 कुल रकबा मे से 50 एकड़ भूमि को कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हेतु उद्यान विभाग को आवंटित किये जाने हेतु पत्र पेश किया गया है।

अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 15.12.2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 03.12.2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार
जिला-सूरजपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड- सूरजपुर जिला - सूरजपुर (छ.ग.)

निविदा सूचना क्रमांक 17./ व.ले.लि./ का.अ./ लो.स्वा.यां.ख. / 2025
सूरजपुर,दिनांक 26.11.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रपत्र 'अ' पर प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग छ0ग0 रायपुर के द्वारा दिनांक 01.07.2020 को जारी एस.ओ.आर व निविदा आंमत्रण तिथि तक एस.ओ.आर में हुए समस्त संशोधनों सहित लागू होगी, व लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य-हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	जिला सूरजपुर क विकासखण्ड ओड़गी के ग्राम कुदरगढ़ में में माँ बागेश्वरी धाम मेला परिसर में जल वितरण प्रणाली हेतु 40 कि.ली. क्षमता 45 मी. स्टेजिंग के आर. सी. सी. उच्चस्तरीय जलागार एंव पाईप का प्रदाय, बिछाने एंव टेस्टिंग का कार्य समस्त फिटिंग सहित सलंग्न शेड्यूल के अनुसार।	19.05

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि 08.12.2025 है, एंव निविदा की अन्य शर्तें तथा कार्य की विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
सूरजपुर

जी नंबर-252605213/3

सोनहत बीएमओ सड़क पर केक काटने-पटाखा फोड़ने विवाद में कार्यवाही की जद में...

पाँच मोर्चों पर गिरी गाज...बीएमओ पद से हटाए गए...कार जब्त...लाइसेंस निरस्त...अलग से गिरफ्तारी की प्रक्रिया...

दोनों आरोपी लोक सेवक,एक पर हुई विभागीय कार्यवाही,एक पर विभागीय कार्यवाही को लेकर चुप्पी क्यों?

-रवि सिंह-

कोरिया/बैकुंठपुर,05 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। सड़क पर देर रात केक काटने, पटाखा फोड़ने और ट्रैफिक को जोखिम में डालने की घटना पर प्रशासन ने कड़ी कार्यवाही करते हुए सोनहत के बीएमओ डॉ. अनित बखला को पद से हटा दिया है, पूरा मामला सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद सामने आया था, जिला चिकित्सा अधिकारी ने जांच के बाद डॉ. अनित बखला को सोनहत से हटाकर जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर में संलग्न कर दिया है, वहीं सोनहत बीएमओ का दायित्व जिला चिकित्सालय के नेत्र चिकित्सक डॉ. बलवंत सिंह को सौंप दिया गया है,प्रशासनिक और पुलिस स्तर पर कुल पाँच प्रकार की बड़ी कार्यवाही की पुष्टि हुई है। वैसे एक ही मामले में एक अन्य शासकीय कर्मचारी पर अब तक कोई कार्यवाही

नहीं हुई है जो मामले में पुलिस प्राथमिकी में आरोपी है और आयोजन भी उसी के जन्मदिवस का था,आरोपी जिला पंचायत में विहान कार्यक्रम में ऑपरेटर है जो कार्यवाही से विभागीय बचा हुआ है, मामले में बीएमओ सोनहत के ऊपर बीएमओ पद से हटाए जाने की कार्यवाही उपरांत अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या विहान कार्यक्रम के ऑपरेटर को भी विभागीय कार्यवाही झेलनी पड़ेगी जब उसी मामले में एक कार्यवाही हुई है।

पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर में विहान योजना का कर्मचारी भी आरोपी,जिला पंचायत आरोपी कर्मचारी पर कब करेगा कार्यवाही?

मामला सड़क पर यातायात बाधित कर जश्न मनाने का है,लोक सुरक्षा को खतरे में डालने का है और आरोपी दो युवक हैं दोनों लोक सेवक हैं,एक स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सक और सोनहत खंड चिकित्साधिकारी हैं,जिन्हें अब खंड चिकित्साधिकारी पद से हटा दिया गया है वहीं एक आरोपी विहान योजना का कंप्यूटर ऑपरेटर है,यह जिला पंचायत कार्यालय का कर्मचारी बताया जा रहा है,अब जिला पंचायत कोरिया विहान योजना के अपने कमर्चारी कर क्या कार्यवाही करती है यह देखने वाली बात है,कार्यवाही का इंतजार भी है,पूरे मामले में जन्म दिवस का जश्न इसी विहान योजना के कर्मचारी का मनाया जा रहा था और जहां केक काटने सहित आतिशबाजी का प्रदर्शन सड़क पर किया जा रहा था वह इसी विहान योजना कर्मचारी का गृह निवास क्षेत्र था, अब सोनहत बीएमओ पर मामले में गाज गिरने के बाद यह भी मांग उठ रही है कि विहान योजना के कर्मचारी पर भी विभागीय कार्यवाही की जाए क्योंकि आरोपी वह भी है और कहीं न कहीं जन्मदिवस आयोजन उसके लिए उसके द्वारा ही सड़क पर आयोजित किया गया था।

1. बीएमओ अनित बखला को हटाया गया... सीएमएचओ की त्वरित कार्यवाही

वायरल वीडियो सामने आने और पुलिस एफआईआर दर्ज होने के बाद सीएमएच कोरिया ने तत्काल आदेश जारी करते हुए डॉ.अनित बखला को सोनहत बीएमओ पद से हटा दिया है,जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर में पदस्थ किया है,बीएमओ की कमान डॉ. बलवंत सिंह को सौंपी गई है, चिकित्सा प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी पद पर रहते हुए सड़क पर ऐसा आचरण किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं।

2. ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू

घटना में यातायात नियमों का खुला उल्लंघन हुआ एफआईआर के आधार पर परिवहन विभाग को रिपोर्ट भेजी गई और अनित बखला का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हुई है,धारा 122, 177 (मोटरयान अधिनियम) के तहत दंड का प्रावधान है।

3. घटना में प्रयुक्त कार जब्त

पुलिस ने कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए वह कार कब्जे में ले ली है, वाहन की तकनीकी जांच और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है, एफआईआर में वाहन क्रमांक से घटना की पुष्टि की गई थी।

4. आपराधिक मामला दर्ज... गिरफ्तारी की प्रक्रिया अलग

बैकुंठपुर थाना पुलिस ने मोटर यान अधिनियम 122, 177, भारतीय न्याय संहिता की धारा 285, 288, 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया गिरफ्तारी की प्रक्रिया अलग से चल रही है, और पुलिस साक्ष्यों के आधार पर अगला कदम उठाएगी।

5. सोशल मीडिया वीडियो के आधार पर पुलिस की कार्यवाही

वायरल वीडियो में: सड़क पर केक काटना, पटाखा फोड़कर राहगीरों को खतरे में डालना रात 11: 30 बजे सार्वजनिक स्थान पर ट्रैफिक में बाधा, स्कूटी व कार को बिना सुरक्षा मानकों के उपयोग जैसे आरोप सामने आए, पुलिस ने वीडियो की पुष्टि करते ही एफआईआर दर्ज की।

सूत्रों का दावा

सूत्रों के अनुसार पूरा मामला सामने आने के बाद सीएमएचओ, कलेक्टर और पुलिस तीनों स्तर पर समन्वित कार्रवाई हुई,ताकि सरकारी पदों पर बैठे व्यक्ति द्वारा की गई लापरवाही का स्पष्ट संदेश जाए,प्रशासन का संदेश,सड़क पर स्टंट,पटाखे,केक कटिंग...ऐसी गतिविधियां अब मज़ाक नहीं मानी जाएँगी चूंकि मामले में एक सरकारी अधिकारी शामिल थे,इसलिए कार्यवाही और भी कड़ी हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस : अपने आप को कभी कमजोर न समझें:कलेक्टर कोरिया

आपकी प्रतिभाओं से लोगो को मिलेगी सीख, सोनहत में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

-संवाददाता-

सोनहत,05 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। विकासखण्ड सोनहत अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कर मनाया गया सोनहत विकासखण्ड में बुधवार को उच्चतर स्वामी आत्मानंद विद्यालय परिसर में दिव्यांग बच्चों के लिए विकासखंड जिला स्तरीय खेल-कूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विकासखंड के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 और कक्षा 9 से 12 तक के दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर कोरिया एवं जनपद पंचायत की अध्यक्ष आशा देवी सोनपाकर जिला शिक्षा अधिकारी एवं अरविंद सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया कार्यक्रम में बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें रंगोली,चित्रकला,कुर्सी दौड़,चम्मच दौड़, 100 मीटर स्प्रिंट, गीत,गायन और नृत्य प्रतियोगिताएं शामिल थीं। रंगोली प्रतियोगिता में बालिकाओं ने आकर्षक प्रदर्शन किया,जबकि चित्रकला, खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में बालक एवं बालिकाओं दोनों ने अपनी कला और क्षमता का प्रदर्शन किया।

मेरी रुचि यह कार्यक्रम सोनहत में हो:कलेक्टर

कलेक्टर कोरिया ने कहा...कि मेरी रुचि थी कि कार्यक्रम सोनहत में हो क्योंकि जिला स्तर के कार्यक्रम के लिए बैकुण्ठपुर आने जाने में बच्चो को परेशानियां होती कलेक्टर कोरिया ने दिव्यांग बच्चो की प्रतिभाओं की तारीफ की उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ईश्वर से प्रतिभा मिली उनसे हम सीखते है कैसे धैर्य रखना है कैसे आगे बढ़ना है,समाज की मुख्य धारा में आपको जोड़ सके इसके लिए आज हम यहां इकट्ठा हुए हैं,कलेक्टर कोरिया ने कहा कि बहुत सारे ओलंपिक के खेल हैं बहुत से ऐसे गायक है जो नेत्रहीन है, पर उन्होंने अपना नाम कमाया है,वो अपनी प्रतिभाओं से अपना और देश का नाम भी रोशन करते रहे हैं इसी तरह आपको भी अपनी प्रतिभाओं से देश का नाम रोशन कड़ना है आज बहुत से आयोजन हुए जो हमे बहुत कुछ सिखाते हैं आपकी प्रतिभाओं से बहुत से लोगो को सीख मिलेगा कलेक्टर ने कहा कि कभी भी अपने आप को कमजोर न समझे।

आराध्या पाण्डेय के गाने की तारीफ

कलेक्टर कोरिया ने आत्मानंद विद्यालय की 6 वी कक्षा की छात्रा आराध्या पाण्डेय की प्रस्तुति की तारीफ की और छात्रा का हौसला भी बढ़ाया इस दौरान कलेक्टर ने सभी प्रतिभागियो को पारितोषिक वितरण भी किया और दिव्यांग जन को ट्राई सायकल ईयर मशीन सहित आवश्यकता अनुरूप अन्य जरूरी सामग्री का वितरण करते हुए सभी को शत प्रतिशत साक्षरता की शपथ भी दिलाई इस दौरान जितेंद्र गुप्ता जिला खेल अधिकारी,जिला शिक्षा अधिकारी,खण्ड स्रोत समन्वयक सोनहत,प्राचार्य आत्मानंद विद्यालत सहित कई प्रधान पाठक,शिक्षक,व अन्य जन उपस्थित रहे।

दंतैल हाथी का हमला : युवक गंभीर घायल,कई मवेशियों को कुचला

11 हाथियों का दल मनेंद्रगढ़ वन मंडल में,खड़गवां रेंज में दहशत

-संवाददाता-

एमसीबी,05 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ वन मंडल के खड़गवां रेंज अंतर्गत बीट बहेरा बांध क्षेत्र में बीती रात एक दंतैल हाथी ने ग्रामीणों में भारी दहशत फैला दी। ग्राम फुनगा के कुमकरन (30 वर्ष) पर हाथी ने उस समय हमला कर दिया जब वह धान मिसाई के बाद खाट पर सो रहा था। हमला रात करीब 2:30 बजे हुआ। युवक गंभीर रूप से घायल है।

मुनादी,चेतावनी और सतत् निगरानी

वन विभाग ने रातभर क्षेत्र में मुनादी कर ग्रामीणों को सचेत किया, हाथियों के कोरिया से निकलने के बाद भी वनकर्मी

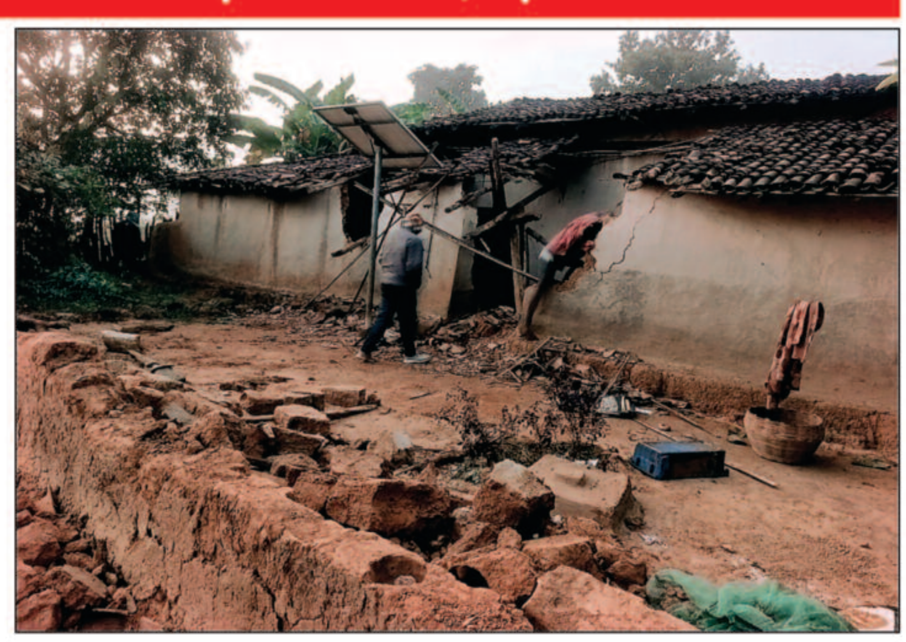

लगातार निगरानी और गश्त पर हैं। वन मंडलाधिकारी ने हुई क्षति का सर्वेक्षण, मुआवजा प्रकरण तैयार करने, प्रभावित परिवारों को नियमानुसार सहायता दिलाने के निर्देश जारी किए हैं।

कोरिया के 11 हाथी पहुंचे मनेंद्रगढ़,एक हाथी दल से अलग होकर कर रहा उत्पात...

कोरिया वन मंडल के देवगढ़ परिक्षेत्र में विचरण कर रहे 11 हाथियों का दल अब मनेंद्रगढ़ वन मंडल में प्रवेश कर चुका है, संभावना है कि उसी दल से अलग हुआ एक दंतैल हाथी खड़गवां रेंज में हिंसक हो गया है, उप वन मंडलाधिकारी कोरिया के मार्गदर्शन में वन विभाग ने हाथियों को सुरक्षित मार्ग देते हुए उन्हें आगे बढ़ाया, इस दौरान वन विभाग ने जान-माल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सतर्कता अपनाई।

देवगढ़ परिक्षेत्र अधिकारी की सजगता,3 लोगों की बचाई जान ...

हाल में कोरिया वन मंडल के देवगढ़ क्षेत्र में हाथियों के झुंड के बीच वन परिक्षेत्र अधिकारी शैलेश गुप्ता और उनकी टीम की सतर्कता से एक बड़ी दुर्घटना टल गई, रात में दो बाइक सवार और एक महिला अचानक हाथियों के सामने आ गए थे, टीम ने तुरंत उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला इस प्रकार तीन लोगों की जान बचाई गई।

युवक गंभीर घायल,मवेशियों की मौत

दंतैल हाथी के हमले में कुमकरन के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं, वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल को अपने शासकीय वाहन से सीएचसी खड़गवां पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है,हाथी ने क्षेत्र में कई गाय,बैल,भैंस और बकरियों को भी कुचल दिया, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश और डर व्याप्त है।

वन विभाग की टीम पूरी रात अलर्ट,इकलौता दंतैल हाथी हुआ अत्यधिक आक्रामक

परिक्षेत्राधिकारी शंख मुनि पांडेय और उनकी टीम पूरी रात हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए रही,जानकारी के अनुसार यह दंतैल हाथी ग्रामीणों के व्यवहार से असामान्य रूप से आक्रामक हो चुका है और अब भी खड़गवां रेंज में घूम रहा है,आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।

ग्रामीणों से अपील...अकेले न निकलें...समूह में रहें...

वन विभाग ने ग्रामीणों को चेतावनी जारी की है रात में अकेले बाहर न निकलें,हाथी की गतिविधि वाले क्षेत्र में भीड़ न लगाएं वन अमले के निर्देशों का पालन करें।

कटगोड़ी पंचायत में भ्रष्टाचार की पड़ताल करने गए पत्रकार से अभद्रता

-रवि सिंह-

कोरिया,05 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। जनपद पंचायत सोनहत की ग्राम पंचायत कटगोड़ी में कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए पहुंचे पत्रकार और कैमरा मैन के साथ अभद्र व्यवहार, हाथापाई और धमकी का गंभीर मामला सामने आया है, मामला प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकार सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

कलेक्टर से की शिकायत

2021-2025 तक के सभी पंचायत कार्यों की जांच व रिकवरी की मांग पत्रकार प्रदीप कुमार ने घटना का विस्तृत ज्ञापन जिला दंडाधिकारी (कलेक्टर), कोरिया को सौंपा है उन्होंने मांग की है दोषियों पर कड़ी कार्रवाई, 2021 से 2025 तक के सभी पंचायत कार्यों का भौतिक सत्यापन, भ्रष्टाचार की जांच और अनियमित राशि की रिकवरी की कार्यवाही पत्रकार समुदाय ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया है और कड़े कदम की आवश्यकता जताई है।

प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन की कड़ी निंदा

प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन ने घटना की जोरदार निंदा करते हुए कहा खबर बनाना पत्रकार का काम है, मारपीट, छीना-झपटी और धमकी अत्यंत निंदनीय है, एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, साथ ही चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन और ज्ञापन सौंपने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

पत्रकार सुरक्षा पर बड़ा सवाल...पंचायत स्तर पर बढ़ती दबंगई चिंताजनक

कटगोड़ी घटना इस बात की पुष्टि करती है कि पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार के खुलासे का प्रयास करने वाले पत्रकारों को दबाव, धमकी और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है, जो लोकतंत्र की बुनियादी भावना के विपरीत है।

कैमरामैन का मोबाइल छीना,वीडियो डिलीट...जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों की शिकायत पर कवरेज करने गए पत्रकार को बीच चौक पर रोका,धक्का-मुक्की

जानकारी के अनुसार,यूनाइटेड न्यूज ऑफ एशिया के कोरिया जिला संवाददाता प्रदीप कुमार 29 नवंबर 2025 को ग्रामीणों के आग्रह पर पंचायत में चल रहे कथित फर्जी बिल,वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार की पड़ताल के लिए पहुँचे थे,इसी दौरान पंचायत के सरपंच के पति और उनके सहयोगियों ने सड़क पर रोककर पत्रकार से अभद्रता की,हाथापाई की और कवरेज रोकने का प्रयास किया।

कैमरामैन का मोबाइल छीना...वीडियो डिलीट... धमकी:खबर छापी तो अंजाम भुगतोगे...

पत्रकार के साथ मौजूद कैमरा मैन का मोबाइल छीन लिया गया,और उसमें रिकॉर्ड किए गए वीडियो डिलीट कर दिए गए,प्रदीप कुमार के अनुसार,आरोपियों ने साफ शब्दों में धमकी दी...अगर खबर छापी तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे...ग्रामीणों ने पहले से ही पंचायत में फर्जी बिल,अधूरे कार्य और वित्तीय गड़बड़ियों की शिकायतें पत्रकार को दी थीं। इसी का सत्यापन वे मौके पर कर रहे थे।

कटगोड़ी में वर्षों से 'सरपंच पति' का प्रभुत्व... ग्रामीणों को नहीं मिलता लाभ?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरपंच पति का पंचायत में वर्षों से प्रभाव हावी रहा है,जिससे योजना लाभ, निर्माण कार्य और विकास की रकम का समुचित उपयोग ग्रामीणों तक नहीं पहुँच पाता।

CMYK

रवीना से टूटी सगाई...शिल्पा शेट्टी से नहीं हो पाई शादी ?

सालों बाद खिलाड़ी के सच से उठा पर्दा!

अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी 1990 के दशक में एक समय सीरियस रिलेशनशिप में थे और फिल्ममेकर सुनील दर्शन ने अब कहा है कि दोनों एक ऐसे पॉइंट पर भी पहुंच गए थे जहां शादी की बात चल रही थी। लेकिन इन दोनों की शादी क्यों नहीं हो पाई इस बात से अब पर्दा उठ गया है।

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड के सबसे खूबसूरत कपल में से एक है, लेकिन एक वक्त था जब अक्षय कुमार के शिल्पा शेट्टी के साथ अफेयर के खूब चर्चे थे। दोनों एक सीरीयस रिलेशनशिप में थे हालांकि उनकी शादी नहीं हो पाई। लेकिन अब सालों बाद सुनील दर्शन ने इस बारे में बात करते हुए बताया आखिर क्यों ये कपल एक-दूसरे के हमसफर नहीं बन सके और इनके रिश्ते में क्या रुकावट आ गई थी।

क्यों नहीं हो पाई दोनों की शादी

सुनील दर्शन ने खुलासा करते हुए बताया कि रिश्ते में रुकावट इसलिए आई क्योंकि शिल्पा के माता-पिता ने शादी के लिए राजी होने से पहले कुछ शर्तें रखी थीं। उनके मुताबिक,कपल एक-दूसरे के लिए सही लग रहा था,लेकिन किस्मत ने कुछ और ही तय किया। सुनील को याद आया कि उन्होंने ट्विंकल खन्ना के पिता राजेश खन्ना से जुड़े एक ज्योतिषी को यह भविष्यवाणी करते हुए सुना था कि अक्षय और ट्विंकल आखिरकार शादी कर लेंगे। उस समय,उन्होंने इस बारे में ज्यादा नहीं सोचा क्योंकि। उन्होंने कहा,उस समय उनका एक-दूसरे से कोई लेना-देना नहीं था। अगर शिल्पा के माता-पिता ने वे शर्तें नहीं रखी होतीं तो शायद चीजे अलग होतीं।

क्या थी शिल्पा के माता-पिता की शर्त?

हालांकि दर्शन ने यह नहीं बताया कि शिल्पा के माता-पिता ने क्या कंडिशन रखी थी। लेकिन कहा कि वे उस तरह के भरोसे के आस-पास घूमती थीं जो माता-पिता आमतौर पर चाहते हैं। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा,माता-पिता के तौर पर अपनी बेटी की सुरक्षा के लिए जो कुछ भी चाहिए,यह गलत नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या इसका मतलब पैसे से जुड़ी उम्मीदें हैं,तो उन्होंने जवाब दिया,हर तरह की सुरक्षा, सभी माता-पिता यही चाहते हैं। हालांकि,उन्होंने अपनी बात साफ करते हुए कहा,मुझे लगा कि माता-पिता की तरफ से यह गलत था। ऐसा होना तय नहीं था

कब हुआ था अक्षय और शिल्पा का ब्रेकअप

उन्होंने कहा कि यह ब्रेकअप एक रिश्ता की शूटिंग से कुछ समय पहले हुआ था। सुनील ने बताया कि उस समय अक्षय इमोशनली टूटे नहीं थे। उन्होंने कहा, उनका दिल नहीं टूटा था। मुझे लगा कि वह अच्छा कर रहे हैं। वह वापस आ रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि उस समय एक्टर धड़कन, हेरा फेरी और एक रिश्ता जैसे प्रोजेक्ट्स में पूरी तरह बिजी थे। अक्षय कुमार ने 2001 में ट्विंकल खन्ना से शादी की और उनके दो बच्चे हैं। शिल्पा शेट्टी ने 2009 में राज कुंद्रा से शादी की,उनके भी दो बच्चे हैं।

67 साल पुराने आशा भोसले के गाने पर आया प्रियंका चोपड़ा का दिल

मधुबाला जैसी खूबसूरती चाहती हैं देसी गर्ल!

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा दिल से देसी हैं, ये बात आपको माननी ही पड़ेगी। प्रियंका भले ही विदेश में रहती हैं लेकिन देसी गर्ल का दिल भारत में ही रहता है। तभी तो आजकल प्रियंका का मन एक बॉलीवुड गाने पर आया हुआ है, जिसे वो सुन रही हैं और मधुबाला की खूबसूरती की तारीफें भी कर रही हैं।

सदाबहार गानों का जब भी जिक्र होता है तो हमें 70 और 80 के दशक के कई गाने याद आते हैं। इन गानों में कुछ तो ऐसे हैं,जो मानो हमेशा ही ताजगी का एहसास कराते हैं। आजकल एक ऐसा ही गाना है जो प्रियंका चोपड़ा की प्लेलिस्ट में आ गया है। बड़ी बात तो ये है कि इस गाने में नजर आई हीरोइन को प्रियंका अपनी प्रेरणा मानती हैं, खासकार खूबसूरती के मामले में। अब कौन सा है वो 67 साल पुराना गाना जिससे हो गया है प्रियंका को प्यार।

मधुबाला के इस गाने पर आया प्रियंका का दिल

वैसे तो प्रियं चोपड़ा ग्लोबल स्टार हैं। हॉलीवुड में काम करती हैं, अंग्रेजी गाने भी सुनती हैं। लेकिन हमारी देसी गर्ल का दिल बिल्कुल देसी है। अगर आप प्रियंका के इंस्टाग्राम पर नजर डालेंगे तो पाएंगे कि मैडम अक्सर कभी कोई फनी रील तो कभी कोई गाना या डायलॉग शेयर करती रहती हैं। प्रियंका का सोशल मीडिया गेम अब श्रद्धा कपूर के जैसा हो गया है,एक दम रियल और देसी। इसी बीच प्रियंका ने हाल ही में एक स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी में प्रियंका ने मधुबाला के गाने आइए मेरहबान,बैठिए जाने जान...को शेयर किया है।

इस गाने को शेयर करते हुए टाइटल कैप्शन में लिखा गया है कि,वो फेसकार्ड जो हमेशा शानदार रहा और जिसकी चाहत हर कोई रखता है। सोशल मीडिया स्लैंग की भाषा में ऐसे शब्दों का ज्यादा इस्तेमाल होता है। वही प्रियंका ने शेयर किया है और बताने की कोशिश की वो मधुबाला जैसा ही फेसकार्ड की ख्वाहिश रखती हैं, जो कि उनके पास है भी। वहीं प्रियंका ने इस गाने को भी अपनी प्लेलिस्ट में शामिल कर ही लिया है।

1958 में आया था ये गाना

आपको बता दें कि प्रियंका आजकल जिस गाने को सुन रही हैं,वो असल में साल 1958 में आया था। फिल्म हावड़ा ब्रिज के इस गाने में मधुबाला नजर आई थीं। बॉलीवुड की वो ब्यूटी क्वीन जिनकी खूबसूरती को शायद शब्दों में बयां करना भी मुश्किल है। इस गाने को आशा भोसले ने अपनी आवाज दी थी और गाने के बोल कमर जलालाबादी ने लिखे थे। वहीं गाने का म्यूजिक ओपी नैय्यर ने दिया था। गाने में मधुबाला की खूबसूरती और गाने के बोल का ऐसा कॉम्बिनेशन बना कि दर्शक आज भी इस गाने को सुनते हैं।

वहीं बात प्रियंका की करें तो प्रियंका खुद मिस वर्ल्ड रही हैं। प्रियंका की खबूसरती के दीवानों की कोई कमी नहीं है। हाल ही में प्रियंका जब फिल्म वाराणसी के इवेंट के लिए भारत आई तो हर कोई उनके लुक पर अपना दिल हार बैठा। मतलब साल में एक बार आकर प्रियंका ने इंटरनेट की सांसें ही थाम कर रख दीं और हर कोई देसी गर्ल के गुड़गान करने लगा। प्रियंका जल्द ही एस एस राजामौली की फिल्म वाराणसी में नजर आएंगीं।

एक-दूसरे के बाल खींचने...डेटिंग के 3 साल में ही सोनाक्षी सिन्हा और जहीर को हुआ अहसास,लेनी पड़ी कपल्स थेरेपी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल आठ सालों से रिश्ते में हैं। एक टाइम ऐसा भी था जब दोनों एक दूसरे को बर्दाशत नहीं कर पा रहे थे। इस बीच जहीर ने कपल्स थेरेपी का सहारा लेने का सुझाव दिया। इससे उन्हें एक-दूसरे के नजरिए को समझने में बहुत मदद मिली।

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल पिछले आठ सालों से साथ हैं। कपल अक्सर सोशल मीडिया पर अपने हैप्पी मोमेंट्स की कई वीडियोज और तस्वीरें शेयर करता रहता है,लेकिन उनका रिशता भी ऐसे पल से होकर गुजरा है जहां दोनों ने बहुत सारे उतार-चढ़ाव भी झेले हैं।

हाल ही में सोहा अली खान के साथ उनके पॉडकास्ट पर बातचीत में,सोनाक्षी ने बताया कि कैसे उनके और जहीर के बीच एक मुश्किल दौर आया और उन्होंने कपल्स थेरेपी का सहारा लिया।

एक दूसरे को समझना हो रहा था मुश्किल

सोनाक्षी ने बताया कि जहीर के साथ उनके रिश्ते में भी किसी भी अन्य रिश्ते की तरह उतार-चढ़ाव आए और उन्होंने अपने तीन साल के दर्द को याद किया। उन्होंने कहा,जब हम रिश्ते में तीन साल पूरे कर चुके थे,तब एक ऐसा दौर आया जब हम बस एक-दूसरे के बाल नोचने को तैयार थे। हम चाहे कुछ भी करें,हम एक-दूसरे का नजरिया समझ ही नहीं पा रहे थे।

री-रिलीज होकर ब्लॉकबस्टर बनी महाफ्लॉप फिल्म,बदल दी नई फिल्म की भी किस्मत

हर कोई रोमांटिक फिल्में देखना पसंद करता है, जिसमें से कुछ ब्लॉकबस्टर साबित होती है तो कुछ फ्लॉप हो जाती है। साल 2025 में भी कई रोमांटिक मूजीकल फिल्में रिलीज हुई,जिसमें प्रेम कहानी को बहुत ही अलग तरीके से दिखाया गया। वहीं, कुछ लव स्टोरी ऐसी भी रही,जिन्हें दोबारा पर्दे पर पेश किया गया और वो ब्लॉकबस्टर हुई। इतना ही नहीं बॉक्स ऑफिस पर री-रिलीज होते ही धमाकेदार कमाई कर सभी को हैरान कर दिया, जिसका फायदा उन नई फिल्मों को भी मिला, जो उसी जॉनर की थी। हम बात कर रहे हैं 2016 में आई हर्षवर्धन राणे और पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा हुसैन की सनम तेरी कसम।

हर्षवर्धन की फ्लॉप फिल्म की वजह से हिट हुई नई मूवी

सनम तेरी कसम में हर्षवर्धन राणे और मावरा हुसैन की केमिस्ट्री को लोगों ने खूब पसंद किया था। मगर उस समय इस फिल्म की कहानी किसी को पसंद नहीं आई, लेकिन 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में री-रिलीज हुई और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था। सनम तेरी कसम को खूब पसंद किया गया, जिसके चलते इसकी रीमेक की मांग भी की गई और मिलाप जवेरी की निर्देशित हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की फिल्म 21, अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में एक दीवाने की दीवानियत रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। सनम तेरी कसम के फ्लॉप से ब्लॉकबस्टर होने का फायदा एक्टर हर्षवर्धन को उनकी नई फिल्म एक दीवाने की दीवानियत को मिला।

खेल-समाचार

टीम इंडिया की प्लेइंग 11 से कटेगा दो खिलाड़ियों का पत्ता

दो साल बाद घातक बल्लेबाज को मिल सकता है मौका

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। सीरीज 1-1 से बराबर होने के कारण यह मैच करो या मरो का है।

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का रोमांच अब अपने चरम पर है। सीरीज 1-1 से बराबर होने के कारण,तीसरा और अंतिम वनडे मुकाबला 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम के एसीए-व्हीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए करो या मरो की स्थिति है और सीरीज जीतने के लिए भारत को हर हाल में यह मैच जीतना होगा।

भारतीय टीम के लिए सबकी निगाहें एक बार फिर दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली पर टिकी होंगी,जिन्होंने पिछले दो मैचों में लगातार शतक जड़कर शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया है। चोटिल शुभमन गिल की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे केएल राहुल ने पहले वनडे में जीत दिलाकर सराहनीय काम किया था। हालांकि, दूसरे मैच में साउथ अफ्रीका ने वापसी करते हुए चार विकेट से जीत दर्ज की थी, भले ही कोहली और रुतुराज गायकवाड़ ने शतक बनाए हों।

टीम इंडिया में संभावित बदलाव

भारतीय टीम इस निर्णायक मुकाबले में कुछ फेरबदल कर सकती है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में जूझ रहे वाशिंगटन सुंदर को बाहर बैठाकर अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को मौका दिया जा सकता है। पंत के आने से भारत को डेथ ओवरों में जरूरी बल्लेबाजी का अनुभव मिलेगा, जो पिछले मैचों में एक चिंता का विषय रहा है। अगर पंत को मौका नहीं मिलता है, तो युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भी आजमाया जा सकता है। तिलक वर्मा ने अपना अखिरी वनडे मैच लगभग दो साल पहले दिसंबर 2023 में खेला था। गेंदबाजी में भी बदलाव की संभावना है। खराब फॉर्म से जूझ रहे तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जगह पर नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में शामिल करने पर विचार किया जा सकता है। कृष्णा ने दूसरे मैच में काफी रन लुटाए थे। रेड्डी को शामिल करने से भारत की निचली बल्लेबाजी मजबूत हो सकती है और राहुल को एक तीसरा सीमर भी मिल सकता है, साथ ही रेड्डी स्थानीय खिलाड़ी भी हैं। दूसरी ओर,साउथ अफ्रीकी टीम अपने पिछले मैच की जीत वाली टीम में बदलाव की संभावना कम ही रखेगी।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन

भारत: यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, रुतुराज गायकवाड़, ऋषभ पंत, केएल राहुल (कप्तान,विकेटकीपर),रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी,हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह।

साउथ अफ्रीका: क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर),एडन मार्करम,टेम्बा बावुमा (कप्तान),मैथ्यू ब्रेट्ज़के, टोनी डी ज़ोरज़ी,डेवाल्ड ब्रेविस,मार्को जानसेन,कॉरबिन बॉश, केशव महाराज,नैंड्रे बर्गर,लुंगी एनगिडी।

उमरान मलिक होंगे टीम के एक्स फेक्टर

केकेआर ने पहले ही खेला बड़ा दांव... सुनील नारायण ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। दिग्गज स्पिन गेंदबाज सुनील नारायण ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उमरान मलिक आईपीएल 2026 में केकेआर के लिए एक्स फेक्टर साबित होंगे। स्टार स्पिनर सुनील नारायण ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में आंद्रे रसेल की मैदान पर पावर हिटिंग की कमी खलेगी लेकिन उन्हें लगता है कि उमरान मलिक अपनी 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से की गई गेंदबाजी के कारण टीम के लिए 'एक्स फैक्टर' साबित हो सकते हैं।

उमरान बनेंगे टीम के एक्स फेक्टर

तेज गेंदबाज उमरान कूल्हे की चोट के कारण पिछले सत्र में बाहर रहने के बाद केकेआर के लिए पदार्पण के लिए तैयार हैं और नारायण को लगता है कि जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज में फ्रेंचाइजी का अगला तुरूप का इक्का बनने की क्षमता है। नारायण ने यहां पीटीआई से कहा, 'वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। मुझे लगता है कि आईपीएल में छोटे मैदान और अच्छी पिचें होने के कारण आपको तेज़ गेंदबाज़ी के लिए एक एक्स फैक्टर की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि उमरान काफी अच्छा प्रदर्शन करेगा।'

उमरान ने 18 महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहने के बाद इस घरेलू सत्र में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की और जम्मू-कश्मीर के लिए सैयद मुश्ताक अली में पांच विकेट लेकर उन्होंने तुरंत ही अपनी लय पकड़ ली। उत्तर प्रदेश के खिलाफ मैच में उन्होंने 37 रन देकर तीन विकेट लिए और अपनी गति और तेज उछाल से केकेआर के अपने साथी रिंकू सिंह सहित अन्य बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया।

150 की स्पीड से करते हैं गेंदबाजी

सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा रिलीज किए जाने के बाद उमरान को आईपीएल 2025 से पहले केकेआर ने उनके आधार मूल्य 75 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था लेकिन चोटिल होने के कारण वह पिछले सत्र में नहीं खेल पाए थे। केकेआर को तीन आईपीएल खिताब दिलाने वाले अहम सदस्य नारायण ने कहा, 'उम्मीद है कि वह फिट रहेंगे। मैं उन्हें 145-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदें फेंकते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।'

रसेल ने हाल में आईपीएल से संन्यास लेने की घोषणा की और नारायण ने कहा कि टीम को उनकी कमी खेलेगी। उन्होंने कहा, 'निश्चित तौर पर हमें मैदान पर ड्रेरस (रसेल) की कमी खलेगी। एक बार जब वह बल्लेबाजी के लिए उतर जाते हैं और जब तक वह क्रीज पर रहते हैं तब तक कितना भी बड़ा लक्ष्य हो उसे हासिल करने की संभावना बनी रहती है। उनकी जगह को भरना एक चुनौती होगी।'

600 विकेट पर क्या बोले नारायण?

त्रिनिदाद का यह गेंदबाज टी20 इतिहास में 600 विकेट लेने वाला तीसरा गेंदबाज बन गया है। उन्होंने शारजाह वॉरियर्स के खिलाफ आईएलटी20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। नारायण ने कहा, 'यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। मैंने त्रिनिदाद जैसे छोटे देश से शुरुआत की थी और अब यहां 600 विकेट लेने वाला गेंदबाज बन गया हूं। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। मैं 600 क्लब का हिस्सा बनकर खुश हूं और उम्मीद है कि आगे भी इसी तरह विकेट लेता रहूंगा।'

अंडर 19 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीकी टीम घोषित

मुहम्मद बुलबुलिया संभालेंगे कमान

जोहान्सबर्ग,05 दिसम्बर 2025। साउथ अफ्रीका ने आईसीसी अंडर 19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है,जिसकी कमान मुहम्मद बुलबुलिया के हाथों में है। यह टूर्नामेंट 15 जनवरी से 6 फरवरी तक नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा। अंडर 19 विश्व कप से पहले साउथ अफ्रीकी टीम 5-7 जनवरी तक हेड कोच मालीबोंग्वे मकेटा के मार्गदर्शन में भारत के साथ तीन यूथ वनडे मैच खेलेगी। विश्व कप में साउथ अफ्रीकी टीम 16 जनवरी को अफगानिस्तान के विरुद्ध विंडहोक में मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस टीम को ग्रुप-डी में वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान और तंजानिया के साथ रखा गया है। साउथ अफ्रीकी अंडर 19 क्रिकेट टीम के संयोजक चयनकर्ता पैट्रिक मोरोनी ने कहा, हम इस टीम के सुतंलन और गहराई से खुश हैं। चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी ने लगातार शानदार प्रदर्शन और समर्पण से अपना स्थान बनाया है। इन खिलाड़ियों ने दबाव की स्थिति में असली परिपक्वता दिखाई है। हमें विश्वास है कि

उनके पास यूथ क्रिकेट के सबसे ऊंचे मुकाम पर मुकाबला करने के लिए जरूरी कौशल है। हेड कोच मकेटा ने टीम की तैयारी को लेकर कहा,मुझे सबसे ज्यादा इन खिलाड़ियों के विकास ने प्रभावित किया है। 16 साल की उम्र में उनसे मिलने से लेकर अब वे कहां हैं, यह देखने तक,स्पष्ट है कि हम न सिर्फ क्रिकेटर तैयार कर रहे हैं, बल्कि इस देश के लिए अच्छे युवा खिलाड़ी भी बना रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी सबसे अधिक खोजे गए भारतीय क्रिकेटरों में शीर्ष पर

नई दिल्ली,05 दिसम्बर 2025। वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने आईपीएल में दूसरी सबसे तेज़ सेंचुरी बनाकर सनसनी मचा दी थी,रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। इस लड़के के लिए मैदान पर आसमान ही लिमिट है...अब वह गूगल पर भी ट्रेंड सेटर बन गया है। सीनियर विराट कोहली और रोहित शर्मा भी नहीं...यह बिजली की तरह तेज़ लड़का गूगल सर्च में टॉप पर है। वैभव, जिसने इस साल दो सेंचुरी बनाई हैं...14 साल के वैभव ने सबसे ज़्यादा सर्च किए जाने वाले भारतीय क्रिकेटर के तौर पर रिकॉर्ड बनाया है। नेटिज़न्स ने महिला ओडीआई वर्ल्ड कप के सेमी-फ़ाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ सेंचुरी बनाने वाली जेमिमा रोड्रिग्स के बारे में जानने के लिए भी गूगल पर सर्च किया। चौदह साल की उम्र में अपनी आईपीएल सेंचुरी से धूम मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अपने ज़बरदस्त खेल से फ़ैन्स का मनोरंजन कर रहे हैं। राइजिंग स्टार्स एशिया कप में यूएई के खिलाफ़ तूफ़ानी सेंचुरी बनाने वाले वैभव ने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सिर्फ़ 32 गेंदों में सेंचुरी बनाकर इतिहास रच दिया। कम उम्र में अपने शानदार खेल से सबको इम्प्रेस करने वाले वैभव के बारे में ऑनलाइन डिटेल्स सर्च की गई हैं। पंजाब किंग्स के ओपनर प्रियांश आर्य दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय टी 20 ओपनर अभिषेक शर्मा तीसरे नंबर पर हैं,जबकि तेलुगु लड़के शेख राशिद चौथे नंबर पर हैं। जेमिमा रोड्रिग्स, जिन्होंने वर्ल्ड कप सेमी-फ़ाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ नाबाद सेंचुरी बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलाई थी,टॉप-5 में हैं। मुंबई के लड़के आयुष माथरे (6वें स्थान पर),भारतीय महिला टीम की वाइस-कैप्टन स्मृति मंधाना (7वें स्थान पर), करुण नायर (8वें स्थान पर), और विग्नेश पुथुर को भी इस साल गूगल पर सर्च किया गया।

अमित बघेल गिरफ्तार...26 दिनों से थे फरार

सड़क पर उतरे समर्थक,पुलिस को 3 दिन की रिमांड मिली,आज मां के अंतिम संस्कार में जाएंगे

रायपुर,05 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल को देवेंद्र नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बघेल थाने के बाहर सरेंडर करने पहुंचे थे, लेकिन थाने से 20 मीटर पहले ही पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए उन्हें पकड़ लिया। पुलिस कानूनी तौर इसे गिरफ्तारी बता रही है। लेकिन समर्थकों ने इसका विरोध करते हुए सरेंडर बताया है। गिरफ्तारी के बाद अमित बघेल को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने बघेल को 3 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। इससे पहले वे पुलिस कस्टडी में मां के अंतिम संस्कार के लिए गांव जाएंगे। बता दें कि शुक्रवार को अमित बघेल की मां का निधन हो गया है। उनके शव को उनके पैतृक गांव पथरी ले जाया गया है, जहां कल शनिवार को अंतिम संस्कार होगा। दूसरी ओर बघेल के समर्थकों ने आमापारा जी रोड को जाम कर दिया। करीब 2 घंटे तक दोनों तरफ की रोड जाम रही। इसके बाद पुलिस में एक्शन लेते हुए एक तरफ की रोड खोल दी है। जाम की वजह से आम लोगों को मुश्किलें हुई। वहीं पुलिस और समर्थकों दोनों ने अपनी आपसी समझ से एंबुलेंस को पास कराया। आपत्तिजनक बयानों से जुड़े मामले में अमित बघेल करीब 26 दिनों से फरार थे। इसके पहले 26 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अमित बघेल को कड़ी फटकार लगाते हुए उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था कि, अपनी जुबान पर लगाम रखें। जहां-जहां एफआईआर दर्ज है, वहां की कानूनी प्रक्रिया का सामना करें। कोर्ट ने साफ कहा था कि कोई राहत नहीं दी जाएगी और कानून अपना काम करेगा। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अमित बघेल ने कई धर्म, सम्प्रदाय के विषय में गलत टिप्पणी की थी। अलग-अलग जगहों पर स्त्रह्रक्र हुई थी, आज उनकी गिरफ्तारी हुई है।

अमित बघेल के खिलाफ 12 राज्यों में दर्ज हैं मामले

24 नवंबर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि, वह एफआईआर क्लबिंग जैसे किसी मुद्दे पर हस्तक्षेप नहीं करेगा। कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि, पुलिस आपको अलग-अलग राज्यों में ले जाएगी। पूरे देश की सैर का आनंद लीजिए। बता दें कि अमित बघेल पिछले 26 दिनों से फरार है, उन पर 12 राज्यों में एफआईआर दर्ज है।

पुलिस अलर्ट पर,कोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा

कोर्ट के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिए गए हैं। बैरिकेडिंग और सुरक्षा निगरानी बढ़ा दी गई है। गिरफ्तारी के बाद तुरंत रिमांड प्रक्रिया की तैयारी है। सरेंडर की पुष्टि होते ही पुलिस उन्हें अपने कब्जे में ले सकती है।

अमित बघेल ने क्या कहा था ?

छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ने को लेकर 27 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने अग्रसेन महाराज, सिंधी समाज के ईष्ट देवता झूलेलाल पर टिप्पणी की थी। अमित बघेल के बयान के बाद अग्रवाल समाज और सिंधी समाज ने प्रदेशभर और देशभर में प्रदर्शन किया था।

देशभर में अग्रवाल समाज और सिंधी समाज भड़का

अमित बघेल की आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद देशभर में अग्रवाल समाज और सिंधी समाज भड़क उठा था। रायपुर,रायगढ़ और सरगुजा समेत कई जिलों में समाज के लोगों ने विरोध जताते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। वहीं छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के सलाहकार अनूप मसंद ने बताया था कि अमित बघेल के बयानों से समाज नाराज हुआ है। सिंधी समाज के पदाधिकारियों ने बैठक लेकर पुलिस से शिकायत करने की सहमति बनाई।

2022 में भूपेश सरकार ने लगवाई थी प्रतिमा

तेलीबांधा तालाब के पास स्थित छत्तीसगढ़ महतारी उद्यान में छत्तीसगढ़ महतारी की मुख्य प्रतिमा स्थापित है। इसका अनावरण 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया था। यहीं से 33 जिलों में इसी तरह की प्रतिमाएं लगाने की घोषणा हुई थी। प्रतिमा में मातृ स्वरूपा महिला को पारंपरिक छत्तीसगढ़ी परिधान-लुगरा और आभूषणों में दर्शाया गया है।

रायपुर को मिली बड़ी सौगात..जी.ई. रोड पर डेढ़ किलोमीटर लंबा बनेगा फोरलेन फ्लाईओवर

रायपुर,05 दिसम्बर 2025। राजधानी रायपुर के यातायात को व्यवस्थित करने और रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक सुगम यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने शहर में बहुप्रतीक्षित फ्लाईओवर के लिए मंजूरी दे दी है। लोक निर्माण विभाग ने जी.ई. रोड पर गुरू तेगबहादुर उद्यान से तेलीबांधा में नेताजी सुभाष चौक से गुरूनानक चौक तक फ्लाईओवर निर्माण के लिए 173 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस फ्लाईओवर के निर्माण के बाद जी.ई. रोड पर शहर का यातायात सुगम होगा और विभिन्न चौकों पर जाम की समस्या में कमी आएगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस परियोजना को तेजी से धरातल पर लाने के लिए पी.टी.एस. चौक में फ्लाईओवर निर्माण का प्रस्ताव आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। इससे रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक यातायात सहज और समयबद्ध रूप से चल सकेगा।

फ्लाईओवर का विवरण

फ्लाईओवर की लंबाई लगभग डेढ़ किलोमीटर होगी और चौड़ाई 16.61 मीटर (फोरलेन) निर्धारित की गई है। यह शंकर नगर चौक,केनाल रोड क्रासिंग और गुरूनानक चौक पर यातायात की समस्या को हल करेगा। नगर घड़ी चौक से तेलीबांधा थाने तक सीधा मार्ग बनेगा, जिससे वाहन सीधे अटल एक्सप्रेस-वे से एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे।

अन्य परियोजनाएँ और एक्सप्रेस-वे कनेक्शन

राज्य शासन पहले ही फुंडहर चौक से अटल एक्सप्रेस-वे को वी.आई.पी. रोड (एयरपोर्ट रोड) से जोड़ने वाले फ्लाईओवर के निर्माण की स्वीकृति दे चुका है। निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्पष्ट किया कि ये फ्लाईओवर परियोजनाएँ राजधानी रायपुर में यातायात को व्यवस्थित करने और दैनिक आवागमन को तेज तथा सुरक्षित बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी विभागों को समयबद्ध रूप से कार्य पूरा करने और यातायात सुगमता के लिए सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राजधानी में यातायात सुधार का महत्व

राजधानी रायपुर में बढ़ते वाहन और आवागमन के कारण रोजाना यातायात जाम की समस्या उत्पन्न होती रही है। इन फ्लाईओवर्स के निर्माण से न केवल मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक जाम कम होगा, बल्कि शहरवासियों को रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट तक सीधे और सुविधाजनक संपर्क मिलेगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव की पहल से शुरू हुई ये योजनाएँ राजधानी रायपुर में यातायात सुधार के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होंगी। अधिकारियों का कहना है कि जी.ई. रोड और अन्य महत्वपूर्ण चौकों पर फ्लाईओवर निर्माण के बाद न केवल वाहन चालकों को राहत मिलेगी, बल्कि राजधानी में आवागमन और वाणिज्यिक गतिविधियों में भी सुधार आएगा। राज्य सरकार की यह पहल रायपुरवासियों के लिए सुविधाजनक, सुरक्षित और तेज़ यातायात सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नक्सली हिंसा से पीड़ित महिलाओं ने बस्तर ओलंपिक में दिखाई प्रतिभा

बस्तर,05 दिसम्बर 2025। कुछ समय पहले बस्तर के नक्सल क्षेत्र में नक्सलियों की हिंसा से अनेक परिवार उजड़ गए थे। परिवार के मुखियाओं की हत्या के बाद परिवार पर संकट छा गया था। अब, परिवार की महिलाएं संकटों से जूझते हुए पुनः परिवार को खुशहाली की ओर ले जाने का प्रयास कर रहीं हैं। महिलाओं की खुशी का यह नजारा बस्तर ओलंपिक में दिखाई दिया। अनेक नक्सल पीड़ित परिवार की महिलाओं ने पारंपरिक ग्रामीण खेलों में उत्साह से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बस्तर ओलम्पिक 2025 के आयोजन से कई महिलाओं को अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का अवसर मिला है। ऐसी ही महिलाओं में शामिल हैं सरोज पोडियाम, जो विवाह और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते वर्षों से खेल से दूर थीं। तीन वर्ष की बच्ची की मां होने के बावजूद उन्होंने खेल मैदान में वापसी कर सभी को प्रेरित किया।

रस्साकसी में संभाग स्तर तक पहुंची

कोंटा विकासखंड के दूरस्थ मुरलीगुड़ा ग्राम की निवासी सरोज पोडियाम ने बताया कि बस्तर ओलंपिक शुरू होने से उन्हें स्कूल के दिनों की याद आ गई। जब वे खो-खो और कबड्डी जैसे खेलों में भाग लेतीं थीं। हम महिलाओं का अधिकतर समय परिवार, बच्चे और गृहकार्य में बीत जाता है। लेकिन,बस्तर ओलम्पिक ने हमें फिर से अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। इस बार संभाग स्तर तक पहुंचना हम सभी के लिए बड़ी खुशी की बात है। बस्तर ओलंपिक में सरोज पोडियाम और उनकी टीम ने रस्साकसी में दमदार प्रदर्शन किया और संभाग स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंची हैं। टीम की इस उपलब्धि से पूरे परिवार और गांव में खुशी का माहौल है।

माओवादी हिंसा से प्रभावित परिवार, संघर्ष से उपलब्धि तक की यात्रा

सरोज पोडियाम का परिवार माओवादी हिंसा से प्रभावित रहा है। वर्ष 2009 में नक्सलियों द्वारा उनके ससुर की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद परिवार गहरे संकट में आ गया। घटना के बाद शासन ने नवा बिहान योजना के तहत सुकमा में उन्हें आवास उपलब्ध कराया तथा उनके पति राकेश को नगर सैनिक के रूप में पदस्थ कर परिवार को संबल दिया। आज वही परिवार संघर्ष की राह से निकलकर बस्तर ओलंपिक में उपलब्धि की नई कहानी लिख रही है। अन्य महिलाओं में नंदिता सोढ़ी, सरिता पोडियामी, लिपिका डे, मुन्नी नाग, ललिता यादव, पूनम भेखर, जसवंती वेट्टी, बण्डी बारसे आदि महिलाओं ने मिलकर बेहतरीन तालमेल से प्रदर्शन किया।

सुकमा ज्वेलर्स शॉप लूटकांड में खुलासा....

सभी बदमाश पिस्टल और जेवरात के साथ गिरफ्तार

सुकमा,05 दिसम्बर 2025। जिले में बीती रात दुर्गा ज्वेलर्स में हुई बड़ी लूट की वारदात को पुलिस ने सिर्फ तीन घंटे में सुलझा लिया। हथियारबंद नकाबपोश आरोपियों द्वारा की गई इस लूट में शामिल तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जिनकी निशानदेही पर करीब 12 लाख रुपये के लूटे गए आभूषण, पिस्टल, चाकू, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद किए गए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि वारदात का मास्टरमाइंड सुकमा निवासी अंकित राय है, जिसने मध्यप्रदेश से अपने साथियों को बुलाकर पूरी योजना तैयार की थी।

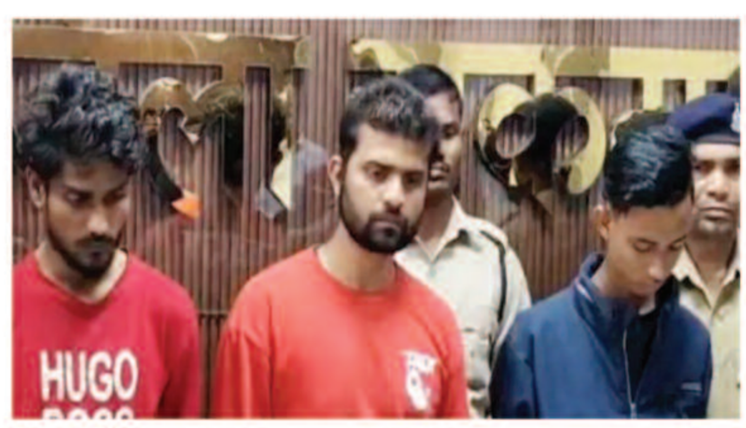

मामले का खुलासा करते हुए SP किरण चव्हाण ने बताया कि 4 दिसंबर की रात करीब 08:30 बजे जिला सुकमा के थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत सुकमा मेन रोड स्थित दुर्गा ज्वेलर्स में नकाबपोश आरोपी लूट की नीयत से दुकान में घुसे। आरोपियों ने दुकानदार को पिस्टल दिखाकर आभूषण लूटे और भागने लगे। इसी दौरान एक आरोपी को लूटे गए आभूषण सहित मौके पर ही पकड़ लिया गया,जबकि दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही सुकमा पुलिस अधीक्षक तुरंत मौके पर पहुंचे और पूरी घटना का निरीक्षण किया।

उन्होंने फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस दल गठित कर तत्काल और सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए।

वहीं जिले के सभी बाहरी प्रवेश मार्गों पर नाकेबंदी की गई और कंट्रोल रूम से लगातार मॉनिटरिंग की जाती रही। सुकमा पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सघन तलाश अभियान के दौरान घटना के मात्र तीन घंटे के भीतर लूट में शामिल सभी आरोपियों को लूटे गए आभूषण और हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया गया।

नवनियुक्त सभी जिलाध्यक्ष आज लेंगे शपथ,फिर दिनभर चलेगी बैठक

रायपुर,05 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन में किए गए बड़े फेरबदल के बाद अब पार्टी नए जिलाध्यक्षों को सक्रिय मोड में लाने की तैयारी कर रही है। इसी क्रम में 41 जिलाध्यक्षों की अहम बैठक शनिवार को राजीव भवन में बुलाई गई है। दिनभर चलने वाली इस बैठक में पहले नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई जाएगी और फिर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विचार होगा। सूत्रों के मुताबिक, 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाले एफआईआर के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर के विरोध प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को ले जाने की योजना है। इसी को लेकर जिलों की जिम्मेदारियां और लक्ष्य तय

किए जाएंगे। बैठक में संगठन की नई दिशा और संरचना पर भी चर्चा होने की संभावना है। माना जा रहा है कि पार्टी अब छत्तीसगढ़ में भी मध्यप्रदेश मॉडल लागू कर सकती है, जिसके तहत राहुल गांधी खुद जिलाध्यक्षों को ट्रेनिंग देते हैं। पार्टी इसे लेकर अंतिम निर्णय कल बैठक में ही ले सकती है।

बताया जा रहा है कि यह प्रशिक्षण करीब 10 दिनों का होगा, जिसमें जिलाध्यक्षों को संगठन प्रबंधन से लेकर मीडिया संवाद, जमीनी मुद्दों की पहचान, नेतृत्व क्षमता विकास और बूथ स्तर तक मजबूती के गुर सिखाए जाएंगे।

जेम खरीदी घोटाला : उच्च शिक्षा विभाग में खरीदी में करोड़ों की गड़बड़ी की खुलने लगी है पोल अब अटल युनिवर्सिटी की होने जा रही है जांच

रायपुर,05 दिसम्बर 2025। पिछले दिनों राजिम के राजीव लोचन महाविद्यालय में जेम के जरिये करोड़ों की खरीदी में की गई गड़बड़ी के आरोप में प्राचार्य और 4 प्रोफेसर्स को निलंबित कर दिया गया था। इसी कड़ी में अब अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर में करोड़ों की जेम खरीदी की अनियमितताओं की जांच होने जा रही है। उच्च शिक्षा संचालनालय ने इस मामले में गहन जांच के लिए एडिशनल डायरेक्टर केके तिवारी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय दल को बिलासपुर भेजने का निर्णय लिया है। दरअसल प्रदेश भर में उच्च शिक्षा विभाग के असधिन संचालित विश्व विद्यालय और महाविद्यालयों जेम पोर्टल से की गई खरीदी में गंभीर अनियमितताओं की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव तक पहुंची थी, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई। सरकार ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि अनियमितता पर कार्रवाई में कोई देरी नहीं होगी। अटल विश्वविद्यालय प्रबंधन पर आरोप है कि उसने जेम पोर्टल से करोड़ों की खरीद एक ही स्वामित्व वाले कई फर्मों से कर ली। शिकायतकर्ता का कहना है कि इन फर्मों की मालिकाना संरचना एक ही व्यक्ति से जुड़ी है और इन्हें जेम पर अलग-अलग पहचान देकर खरीद का फॉर्मेट तैयार किया गया। बताया यह भी जा रहा है कि निविदा प्रक्रिया में ऐसी शर्तें जोड़ी गईं, जो केवल संबंधित सप्लायरों के पास ही उपलब्ध थीं।

जबरन मतांतरण रोकने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार लाएगी सख्त कानून,10 साल की सजा का बिल तैयार

रायपुर,05 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में बढ़ती जबरन और प्रलोभन आधारित मतांतरण की शिकायतों को देखते हुए विष्णु देव साय सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार आगामी विधानसभा के शीतकालीन सत्र (14 से 17 दिसंबर) में एक कठोर मतांतरण विरोधी विधेयक पेश करेगी। मुख्यमंत्री बनने के बाद साय द्वारा किए गए वादे को पूरा करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राज्य सरकार का नया कानून : राज्य सरकार ने नया कानून तैयार करने के लिए

ओडिशा, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत नौ राज्यों के धर्म स्वतंत्रता अधिनियमों का अध्ययन किया। पांच पेज के मसौदे में कुल 17 महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं।

10 साल तक की सजा और कड़ी नियमावली :

प्रस्तावित कानून में प्रलोभन, धोखाधड़ी, दबाव या किसी भी तरह की जबरदस्ती से किए गए मतांतरण को अपराध की श्रेणी में रखा गया है।

संभावित प्रमुख प्रावधान : जबरन या प्रलोभन आधारित मतांतरण पर अधिकतम 10 वर्ष की सजा। बिना सूचना के मत परिवर्तन कराने पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई। मतांतरण से 60 दिन पहले जिला प्रशासन को सूचना देना अनिवार्य होगा। कानून में 'प्रलोभन' और 'जबरन मतांतरण' की परिभाषा को और स्पष्ट किया गया है। यह नया कानून छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 1968 को प्रतिस्थापित करेगा, जिसमें जबरन मतांतरण पर केवल 1 वर्ष की सजा और 5,000 रुपए जुर्माने का प्रावधान था।

आदिवासी इलाकों में विवाद बढ़ने से कानून की जरूरत

राज्य के बस्तर, जशपुर, रायगढ़ जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में प्रलोभन देकर ईसाई धर्मांतरण के आरोपों को लेकर लगातार विवाद बढ़ा है। कई जगह पर यह मामला गुटीय संघर्ष का रूप भी ले चुका है, जिससे कानून-व्यवस्था पर असर पड़ा है।

पुलिस आरक्षक का फंदे पर मिला शव,दो दिन से था लापता

जगदलपुर,05 दिसम्बर 2025। पुलिस लाइन जगदलपुर में पदस्थ आरक्षक डमरू नायक का शव शुक्रवार को आसना जंगल में फांसी के फंदे पर लटका मिला। इस घटना ने पुलिस विभाग में हड़कंप मचा दिया है। जानकारी के अनुसार, आरक्षक डमरू नायक 3 दिसंबर से लापता थे। उनके लापता होने की सूचना परिजनों ने कोतवाली थाने में दी थी। इसके बाद से पुलिस लगातार उनकी तलाश में लगी हुई थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, व्यक्तिगत परेशानियों के कारण आरक्षक ने

आत्महत्या का यह कदम उठाया होगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज जगदलपुर भेज दिया गया है। पुलिस अब मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है ताकि आत्महत्या के कारणों और किसी अन्य संलिप्तता की पुष्टि की जा सके।

वासु कोचिंग के संचालक ने लगा ली फांसी,वीडियो बनाकर पत्नी को सुसाइड के लिए ठहराया जिम्मेदार

रायपुर,05 दिसम्बर 2025। राजधानी में संचालित वासु कोचिंग के मालिक वासु चंद्रा ने आत्महत्या कर ली। कोतवाली थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया कि घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। कोचिंग सेंटर के स्टाफ ने सबसे पहले वासुदेव को फांसी पर झूलता देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का निरीक्षण किया, जहां से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, सुसाइड नोट में मृतक ने पारिवारिक विवाद को अपनी आत्महत्या का कारण बताया है। यह कदम उठाने से पहले उसने एक वीडियो तैयार किया जिसमें उसने अपनी पत्नी को खुदकुशी का जिम्मेदार ठहराया है। वीडियो में कोचिंग संचालक ने कहा कि उसकी पत्नी के किसी और व्यक्ति के साथ अवैध संबंध हैं और वह प्रॉपर्टी के लिए उसे तंग करती थी जिससे परेशान होकर वह अपनी

जान दे रहा है। मृतक की पहचान वासु चंद्रा के रूप में हुई है, जो शैलेंद्र नगर स्थित अपने घर में फांसी से लटके पाए गए। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें चंद्रा ने अपनी मौत के कारणों का उल्लेख किया है। सुसाइड नोट और वीडियो में चंद्रा ने पत्नी की बेवफाई और प्रॉपर्टी विवाद का जिक्र किया। चंद्रा के टी-शर्ट पर लिखा था गेम ओवर और जिंदगी का कर लिया गेम ओवर... रिश्तों में मिला धोखा, तो जिंदगी का ही साथ छोड़ा... इस बयान से प्रतीत होता है कि उसने रिश्तों में मिले धोखे के कारण खुदकुशी का कदम उठाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मृतक के परिवारवालों से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार चंद्रा और उसकी पत्नी के बीच पुराना विवाद था, जिसकी शिकायत पहले भी उसने थाने में की थी। चंद्रा का दावा था कि उसकी पत्नी और उसके प्रेमी ने प्रॉपर्टी के मामले में उसे लगातार परेशान किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)